• वर्ष-4
• अंक-106
रायपुर, शुक्रवार
13 दिसंबर 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» संसद में राहुल गांधी का व्यवहार....

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के एक साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया, एक वर्ष में मोदी की गारंटी के सभी बड़े वादे पूरे

जनता में विश्वास कायम करना सबसे बड़ी उपलब्धि : साय

प्रदेश की जीडीपी को वर्ष 2028 तक दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में विश्वास को कायम करने की थी। अब अपनी सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने जनता के विश्वास को कायम रखा है। श्री साय आज सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रतिनिधियों को स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 13 दिसम्बर को हमारी सरकार का पहला साल पूरा हो रहा है। विगत एक वर्ष में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विकास के अनेक नये आयाम स्थापित किए हैं। हमने बीते एक साल को विश्वास का वर्ष घोषित किया है। वास्तव में प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष का समय विश्वास के संकट का समय था। पूर्ववर्ती सरकार ने 'जन घोषणा पत्र' में किए गए लगभग सभी वादों से मुकरते हुए न केवल प्रदेश के लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए ही भरोसे का संकट पैदा कर दिया था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में इस विश्वास को कायम करने की थी। अब एक वर्ष पूरे होने पर जब आपके माध्यम से जनता के समक्ष हमारी पूरी सरकार रिपोर्ट कार्ड लेकर प्रस्तुत हुई है, तो मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने इस विश्वास की बहाली की है। हमें प्रदेश की महतारी-बहनों को, किसानों को, युवाओं को, आवास से वंचित कर दिए गए कमजोर

वर्ग के लोगों से किए वादे को पूरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान हमारी सरकार ने प्रदेश के नागरिकों से वादा किया था कि यदि हमारी सरकार बनी तो हम प्रदेश में सुशासन की स्थापना करेंगे। भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करेंगे। सरकार बनते ही हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्परता के साथ कार्यवाही की। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए जा रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हमारा सारा ध्यान जनता के विश्वास को बहाल करने पर था। अब इसी विश्वास की नींव पर छत्तीसगढ़ के विकास और समृद्धि रूपी शिखर का निर्माण करना है। हम छत्तीसगढ़ को विकसित बना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में योगदान देने परिश्रम की पराकाष्ठा कर दिन-रात जुटे रहेंगे। आगामी 1 नवंबर 2025 को हम प्रदेश स्थापना की रजत जयंती मनाएंगे। हमने वर्ष 2028 तक प्रदेश की जीडीपी को दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

किसानों, गरीबों और महिलाओं से वादा पूरा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने किसानों से किया गया वादा पूरा करते हुए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की रिकॉर्ड खरीदी की। हमने अपने वादे के मुताबिक किसान बंधुओं को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का अंतरण भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों से किए गए वादे को पूरा करते हुए तीन माह के भीतर ही महतारी वंदन योजना शुरू की गई। इसका लाभ 70 लाख माताओं-बहनों को मिल रहा है। अब तक इस योजना की 10 किश्तों में 6530 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई है।

पीएससी पर लौटा युवाओं का विश्वास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में नई शिक्षा नीति लागू करके शिक्षा को रोजगार परक बनाया है। राज्य की प्रतिभाओं को निखारने के लिए रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश की 13 नगरीय निकायों में हाईटेक लाइब्रेरियों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अपने वादे के मुताबिक हमने सीजीपीएससी परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाया है। पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं हुई और उनके परिणाम घोषित हुए। इससे राज्य की प्रतिभाओं का विश्वास सीजी पीएससी पर लौट आया है। हमने प्रदेश के 68 लाख गरीब परिवारों को पांच साल तक मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की।इस तरह हमने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है।

सुशासन की स्थापना

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार सुशासन की स्थापना के लिए प्रयासरत है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमने सुशासन एवं अभिसरण नाम से नया विभाग बनाया है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिकों को छोटे छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े। इसके लिए हम तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। एक क्लिक में अथवा एक फोन कॉल में उनके काम हो जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपने को हम लगातार साकार कर रहे हैं। पुराणों में जिसे राम-राज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में नई सुविधाएं

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, रेल और हवाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है। अम्बिकापुर के हवाई अड्डे से भी अब हवाई सेवा की शुरूआत हो गई है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए गठित प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और मजबूत किया गया है। साथ ही छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद का गठन भी किया गया है।

बैगा, गुनिया, सिरहा के लिए सम्मान निधि

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हमने राज्य के बैगा, गुनिया, सिरहा को सालाना पांच-पांच हजार रुपए की सम्मान निधि देने की घोषणा की है।जनजातीय गांवों में अखरा निर्माण विकास योजना शुरू की गई है। जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा नायकों की स्थान-स्थान पर प्रतिमाएं लगाने का निर्णय भी हमने लिया है।

बस्तर में पर्यटन सुविधाओं का विकास

बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। यह बड़ी उपलब्धि है कि कांगेर घाटी के गांव धुड़मारास ने अब विश्व पर्यटन के नक्शे पर जगह बना ली है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने इस गांव में पर्यटन के विकास के लिए इसे दुनिया के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है। गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के गठन से भी राज्य में पर्यटन के विकास की संभावनाओं को बल मिला है। सरगुजा में मधेश्वर पहाड़ को विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में मान्यता मिली है।

'विष्णु की पाती' सहित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पुस्तिकाओं का विमोचन

मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों और तेंदूपत्ता संग्राहक हितग्राहियों को संबोधित पत्र 'विष्णु की पाती', मुख्यमंत्री श्री साय के चुनिंदा भाषणों के चुनिंदा अंश पर आधारित 'उद्गार: विजन और विचार', प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के अनुभव को दर्शाती पुस्तिका 'खुशियों का आशियाना', महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के अनुभवों को दर्शाती पुस्तिका 'खुशियों का नोटिफिकेशन', राज्य शासन के विजन को दर्शाती 'सेवा ही सर्वोपरि', छत्तीसगढ़ सरकार की विगत एक वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित 'सुशासन का एक साल, छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल' का विमोचन किया।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है। इससे पहले एक देश, एक चुनाव पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है। उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर में चुनाव हुए। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव कराए गए। अब दिल्ली में चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है।

एक देश एक चुनाव की बहस की वजह क्या है?

दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50-50 के अनुपात में बंट जाएगा।

सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग का कहना था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरुआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है।

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एक साथ चुनाव की सिफारिशें को दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ आयोजित किये जायेंगे।

प्रमुख समाचार

डोनाल्ड ट्रंप बने पर्सन ऑफ द ईयर 2024

वाशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गुरुवार को टाइम पत्रिका ने '2024 का टाइम पर्सन ऑफ द ईयर' चुना। यह सम्मान उन्हें इतिहास में अभूतपूर्व वापसी करने और दुनिया में अमेरिका की भूमिका बदलने के लिए दिया गया है। पत्रिका ने डोनाल्ड ट्रंप को एक पीढ़ी में एक बार होने वाले राजनीतिक बदलाव लाने और अमेरिकी राष्ट्रपति पद को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए भी सम्मानित किया। यह दूसरा मौका है जब डोनाल्ड ट्रंप को यह सम्मान मिला है, इससे पहले उन्हें 2016 में यह पुरस्कार मिला था। वहीं नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टाइम पत्रिका के कवर पेज पर आने पर खुशी भी जताई है और मजाकिया अंदाज में पत्रिका को धन्यवाद भी दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में घंटी बजाने से पहले कहा कि, टाइम पत्रिका से यह सम्मान दूसरी बार मिलना मेरे लिए खास है। शायद इस बार मुझे यह और भी ज्यादा अच्छा लग रहा है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को ये खिताब दिए जाने को लेकर टाइम पत्रिका ने लिखा कि, 2015 में राष्ट्रपति पद के लिए प्रचार शुरू करने के बाद से, शायद किसी एक व्यक्ति ने राजनीति और इतिहास की दिशा को बदलने में ट्रंप जितनी बड़ी भूमिका नहीं निभाई है।

फिल्म साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग के दौरान पथराव

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में गुरुवार को एक आयोजन में पथराव हो गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा अभिनेता विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया जा रहा था। इस दौरान लेफ्ट के छात्रों पर पथराव का आरोप एबीवीपी ने लगाया है। फिल्म की स्क्रीनिंग साबरमती ढाबा के बैडमिंटन कोर्ट में चल रही थी कि अचानक हुई पत्थरबाजी के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में छात्र जुटे थे। ये फिल्म गुजरात के गोधरा कांड पर बनी है। दो दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देख चुके हैं। यहां मेकर्स ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की थी। इस स्क्रीनिंग में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री और सांसद भी पहुंचे थे। इस विशेष अवसर पर फिल्म की स्टार कास्ट से विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, रिद्दी डोगरा समेत मेकर्स भी मौजूद रहे थे।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद

सागरिका घोष ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। उच्च सदन में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में यह विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस विशेषाधिकार प्रस्ताव को 60 विपक्षी नेताओं का समर्थन मिला है और इन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि कल सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आप सभी इस सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री को संसद को सुचारू रूप से चलाने पर फोकस करना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय बार-बार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। घोष ने कहा कि किरेन रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों का अपमान किया है और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विपक्षी सांसदों के खिलाफ व्यक्तिगत शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह पूरी तरह से अनुचित है और वे अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं।

विदेशी फंडिंग मामले में खालिद से एनआईए ने की 18 घंटे पूछताछ

झांसी। ऑनलाइन दीनी तालीम से विदेश से मोटी रकम जुटाने पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी एटीएस की संयुक्त टीम ने कोतवाली क्षेत्र के अलीगोल मोहल्ले की सुपर कॉलोनी में बृहस्पतिवार तड़के तीन बजे छापा मारा। यहां मुफ्ती खालिद नदवी के घर से उसका लैपटॉप, मोबाइल समेत बैंक पासबुक कब्जे में लेकर करीब आठ घंटे तक घर में पूछताछ की। सुबह करीब 11-25 पर टीम उसे लेकर बाहर निकली। तभी हजारों की भीड़ ने उनको घेर लिया। इस दौरान लोगों ने पुलिस से धक्कामुक्की पर खालिद को छुड़ा लिया।हालात बिगड़ते देख टीम खालिद को मस्जिद में लेकर चली गई। अतिरिक्त पुलिस बल के पहुंचने पर दो घंटे बाद टीम नदवी को लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंची। यहां से पुलिस लाइन ले जाया गया। 18 घंटे की पूछताछ के बाद रात करीब 9-20 पर उसे छोड़ दिया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। बृहस्पतिवार को एनआईए और यूपी एटीएस के अफसर सबसे पहले मुकरयाना में छोटी मस्जिद निवासी मुफ्ती साबिर कासमी के घर पहुंची।

इंडियन लाइट टैंक ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

हरिकोटा। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि भारत के स्वदेशी हल्के टैंक ने 4,200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर लगातार सटीकता के साथ

कई रेंजों पर कई राउंड फायर करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 25 टन वजनी बेहद बहुमुखी भारतीय लाइट टैंक (आईएलटी) को चीन के साथ सीमा पर सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है। सितंबर में रेगिस्तानी इलाकों में पहले चरण के परीक्षण के बाद टैंक का नवीनतम परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, भारतीय लाइट टैंक ने लगातार सटीक परिणामों के साथ 4200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर कई रेंजों पर कई राउंड फायर करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय सेना 350 से अधिक हल्के टैंकों को तैनात करने पर विचार कर रही है, जिनमें से ज्यादातर पहाड़ी सीमा क्षेत्रों में होंगे। हल्के टैंक के विकास का उद्देश्य चीन की तरफ से समान श्रेणियों के टैंकों की तैनाती का मुकाबला करना माना जा रहा है।

सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बने गुकेश, 18 की उम्र में रच डाला इतिहास

सिंगापुर। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने गुरुवार को विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। लिरेन को हराकर वह सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने इतिहास रच दिया। 6.5 अंको के साथ खेल की शुरुआत हुई थी। अंतिम मैच भी ड्रॉ की तरफ बढ़ता दिख रहा था कि तभी लिरेन की एक गलती उनके लिए भारी पड़ गई और गुकेश को जीत दिला गई। भारतीय युवा स्टार ने लिरेन को 7.5-6-5 से हराकर विश्व खिताब अपने नाम किया। 12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब पर कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की है।

गुकेश ने 18 साल आठ महीने 14 दिन की उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 22 वर्ष छह महीने 27 दिन की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश से पहले भारत के विश्वनाथन आनंद (2000-2002 और 2007-2013) विश्व शतरंज चैंपियन रहे। गुकेश के लिए साल का अंत शानदार रहा है। इस साल वे कई और खिताब जीते, जिनमें कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट और शतरंज ओलंपियाड शामिल है, जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था।

दुनिया को कई बार चौंका चुके गुकेश

शतरंज की दुनिया की नई सनसनी 17 वर्षीय गुकेश ने अपने करियर में कई बार दुनिया को चौंकाया है। वह इस छोटी सी उम्र में कई रिकॉर्ड बना चुके हैं। वह 12 साल, सात महीने, 17 दिन की उम्र में भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बन गए थे और दुनिया के सबसे

कम उम्र के ग्रैंडमास्टर का टैग केवल 17 दिनों से चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को पछाड़कर 36 साल बाद पहली बार देश के शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया। अब उन्होंने उस प्रभावशाली सूची में एक और उपलब्धि जोड़ दी है।

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने के साथ ही गुकेश 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए। रूस के पूर्व महान कास्पारोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1984 में हमवतन अनातोली कारपोव के साथ भिड़ने के लिए क्वालिफाई किया था।

तकनीकी इंजनों से दूर रहे गुकेश, ऐसे की तैयारी

भारत में कम उपलब्धि पर ही स्टारडम हासिल करने वाले खिलाड़ियों के बीच गुकेश की पहचान तब तक छुपी रही जब तक उन्होंने अपने करियर में 2500 की रेटिंग पार नहीं कर ली। वह तकनीकी इंजनों से दूर रहे और अपनी तैयारी के लिए कंप्यूटर का कम से कम इस्तेमाल किया। गुकेश के इस तरीके की भारत के महानतम चेस खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने भी तारीफ की थी।

उन्होंने एक बार एक इंटरव्यू में कहा था- गुकेश इस तरह की सोच रखने वाले दुनिया के चुनिंदा खिलाड़ियों में हैं, जो अपने खेल के शीर्ष पर होने के बावजूद स्टार नहीं थे। यह एक बहुत ही स्वस्थ दृष्टिकोण है। महत्वपूर्ण बात यह थी कि उन्होंने सीधे किसी तरह का दृष्टिकोण नहीं अपनाया बल्कि अपने ट्रेनर की मदद ली। ऐसा ही होना चाहिए। एक खिलाड़ी को खेलने के स्किल पर ध्यान देना चाहिए और ट्रेनर उन्हें सबसे अच्छी जानकारी दे सकता है।

विष्णु ने गुकेश को दिलाई विश्वस्तरीय पहचान

गुकेश को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने वाले विष्णु प्रसन्ना खुद भी स्वीकार करते हैं कि यह एक जोखिम भरा कदम था। वह कहते हैं कि हमारा उद्देश्य बहुत सटीक होना और शतरंज के लिए अपने खुद के स्किल को विकसित करना था। जब आप खेल खेल रहे होते हैं, तो आप हमेशा पूरी तरह से निश्चित नहीं होते हैं। लेकिन अगर आप हमेशा कंप्यूटर से जांच कर रहे हैं तो यह आपको एक स्पष्ट परिभाषा देता है कि कोई कदम अच्छा है या बुरा। उस भ्रमित मानसिकता को दूर रखने के लिए हमने वह तरीका अपनाया। यह एक प्रयोग था। हमें नहीं पता था कि यह कैसे काम करेगा। मैंने सोचा कि यह एक उपयोगी प्रयोग होगा और चूंकि वह कभी स्थिर नहीं हुआ, इसलिए हमने इसे जारी रखा।

गुकेश का नंबर वन बनने का जुनून

विष्णु ने कहा- हमें कोई परेशानी नहीं हुई। वह दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बनने के काफी करीब थे। यह कहना मुश्किल है कि इंजनों (कंप्यूटर) के साथ काम करने से हमारे अवसरों में सुधार होता या नहीं (दुनिया के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड जो गुकेश 17 दिनों से चूक गए)। हमें लगा कि वह अच्छा खेल रहा है। उस रिकॉर्ड के इतने करीब पहुंचना अपने आप में यह सबूत है कि वह अच्छा कर रहे थे।

इसके अलावा वे कौन से पहलू हैं जो गुकेश को इतना अच्छा बनाते हैं? इस बारे में बताते हुए विष्णु ने कहा- वह अपने खेल के प्रति बेहद जुनूनी हैं। वह किसी और चीज के बारे में नहीं सोचते। बस एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया।

विष्णु के सुशासन से सँवर रहा छत्तीसगढ़
सुशासन और विश्वास के
जनादेश के
1 वर्ष
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री
श्री जेपी नड्डा जी
का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर
हार्दिक अभिनंदन...
जनादेश
परब
विशाल जनसभा
दोपहर 02:00 बजे
साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर
श्री जेपी नड्डा जी
के करकमलों द्वारा
स्मृति मंदिर
का
लोकार्पण
सायं 04:30 बजे
भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय
कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर, छत्तीसगढ़
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

संक्षिप्त समाचार

नये एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने सम्हाला पदभार

रायपुर। जिले के नवनियुक्त एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने गुरुवार की दोपहर अपना पद सम्हाला, उन्हें डॉ. संतोष सिंह ने पद सौंपा। उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली और जिले के एएसपी, सीएसपी, डीएसपी और थानेदार के साथ आफिस के अधिकारी कर्मचारियों से मुलाकात की।

जीपी सिंह की हुई बहाली, गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 12 दिसंबर को आदेश जारी कर आईपीएस जीपी सिंह को पुन: सेवा में बहाल कर दिया है। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) द्वारा पारित आदेश के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने आदेश जारी किया है। 20 जुलाई 2023 को पारित निलंबन आदेश को खारिज करते हुए उसी दिनांक से पद पर बहाल किया है। बता दें कि बैच 1994 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस जीपी सिंह को 20 जुलाई 2023 गृह मंत्रालय के आदेश के तहत सेवानिवृत्त किया गया था। इसे आईपीएस ने सीएटी में चुनौती दी ।सीएटी ने 10 अप्रैल 2024 गृह मंत्रालय का आदेश रद्द करते हुए उन्हें सेवा में बहाल करने और सभी लाभ देने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने सीएटी के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट ने 23 अगस्त को याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की, जिसे 10 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और अन्य कानूनी राय को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने अब जाकर जीपी सिंह को सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। साथ ही उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आदेश की प्रति छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को भेज दी गई है।

छत्तीसगढ़ सिविल जज परीक्षा 2023 का रिजल्ट जारी, श्वेता दीवान बनीं टॉपर

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने सिविल जज परीक्षा 2023 का रिजल्ट बुधवार की देर रात जारी कर दिया। रायपुर की बेटी श्वेता दीवान ने इस परीक्षा में टॉप कर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। अपनी उपलब्धि के बारे में उन्होंने कहा कि उनके परिवार का सहयोग और उनकी कड़ी मेहनत इस सफलता के पीछे का सबसे बड़ा कारण है। इस उपलब्धि ने न केवल रायपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित किया है। यह उनकी दृढ़संकल्प और मेहनत का नतीजा है। सिविल जज परीक्षा 2023 में 150 अभ्यर्थी इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे थे, जिनमें से 49 अभ्यार्थी सफल हुए। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित व्यवहार न्यायाधीश (प्रवेश स्तर) परीक्षा-2023 के लिए कुल 49 पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। उक्त परीक्षा का अंतिम चयन सूची आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://www.psc.cg.gov.in/ पर अपलोड कर दी गई है।

विधायक देवेंद्र यादव की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

बलौदाबाजार। अप्रैल 2024 में हुई हिंसा मामले में केंद्रीय जेल रायपुर में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में जज नरेंद्र कुमार व्यास ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख दिया है।

वर्ष 2024 का अंतिम नेशनल लोक अदालत 14 को

रायपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के वार्षिक कलेण्डर के अनुसार 14 दिसंबर 2024 को पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में राजीनामा योग्य लंबित मामला, भाड़ा नियंत्रण, चेक बाउन्स, आबकारी विधि, सिविल विधि, यातायात संबंधी, परिवार न्यायालय, विद्युत, दूरसंचार, नगर निगम, जलकर, भूमिकर, श्रम विधि, आपराधिक विधि के मामलों का निराकरण राजीनामा के माध्यम से किया जाता है। जिला रायपुर तथा जिला गरियाबंद, तहसील देवभोग, तिल्दा, एवं राजिम तथा नवीन तहसील आरंग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर 2024 दिन शनिवार को एक साथ किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत की तैयारी के संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर माननीय श्री बी0पी0 वर्मा द्वारा 06-12-2024 को कार्यभारग्रहण करते ही आगामी नेशनल लोक अदालत 14-12-2024 के संबंध में न्यायाधीशगण की बैठक ली गई । बैठक में उनके द्वारा निर्देश दिया गया है कि अधिक से अधिक मामलों को चिन्हांकित कर प्रीसिटिंग के माध्यम से राजीनामा के आधार पर प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाये । उनके द्वारा बताया गया कि, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से जन जन को सरल, सस्ता, तथा सुलभ न्याय प्रदान कराया जाना है एवं व्यक्त किया कि, नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार सार्वजनिक स्थल हाट-बाजार, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेंण्ड एवं ग्रामीण अंचल मुनादी कराकर किया जा रहा है।

सरकार ने तैयार किया युवा उद्यमियों के लिए सपोर्ट सिस्टम : साय

मुख्यमंत्री ने की रायपुर में सेंटर फॉर इनोवेशन, ट्रेड एंड स्किलिंग स्थापना, 1000 सीटर को-वर्किंग स्पेस निर्माण एवं प्रत्येक जोन में एक बॉक्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण की घोषणा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भाठागांव स्थित अंतरराज्यीय बस स्टैंड में नवनिर्मित इनोवेशन सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही जयस्तंभ चौक के मल्टीलेवल पार्किंग में नवनिर्मित को-वर्किंग स्पेस आरंभ का वर्चुअली लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सेंटर फॉर इनोवेशन, ट्रेड एंड स्किलिंग की स्थापना, रायपुर जिले में 1000 सीटर को-वर्किंग स्पेस निर्माण और नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक जोन में एक-एक बॉक्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण की घोषणा की।

इस अवसर पर ओयो के फाउंडर श्री रितेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ रूपए का निवेश करने और 15 हजार रोजगार सृजन करने की बात कहीं। इनोवेट के गेम जोन में मुख्यमंत्री श्री साय एवं ओयो फाउंडर श्री अग्रवाल ने टेबल टेनिस खेल में हाथ आजमाया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने एवं रोजगार के नये अवसर पैदा करने स्मार्ट सिटी का विचार क्रियान्वित किया। रायपुर को भी स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित किया गया है। राज्य सरकार स्मार्ट सिटी के अनुरूप सुविधाओं को लगातार बढ़ाने के लिए पहल कर रही हैं। श्री साय ने कहा कि युवा उद्यमियों के दिमाग में उद्यम के बहुत से विचार हैं। वे अपना स्टार्टअप आरंभ करना चाहते हैं बस उन्हें थोड़ा सहयोग देने की आवश्यकता है फिर वे कमाल कर दिखाएंगे। सरकार युवाओं के लिए यही सपोर्ट सिस्टम तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन के कार्यों की सरहाना की।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए एक आफिस, फर्नीचर, एक अच्छा लोकेशन, कंप्यूटर, वाईफाई चाहिए, लेकिन इतने सब कुछ के लिए ही जो बजट लगता है वो बहुत से युवा उद्यमियों के बस की बात नहीं होती। को-वर्किंग एंड इनोवेशन सेंटर के रूप में यही आफिस स्पेस उन्हें उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 48 लाख रुपए की लागत से जयस्तंभ चैक के मल्टीलेवल पार्किंग सेंटर में आरंभ स्टार्टअप को-वर्किंग सेंटर तथा एक करोड़ रुपए की लागत से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में इनोवेशन सेंटर तैयार किया गया है। यहां स्टार्टअप उद्यमियों को काम करने के लिए आफिस मिल जाएगा। साथ ही प्राइवेट कैबिन होंगे, कंप्यूटर मिल जाएंगे और फर्नीचर उपलब्ध होगा, कैफेटेरिया होगा। प्रेजेंटेशन के लिए आडिटोरियम होगा। उन्हें केवल अपने आइडिया पर काम करना होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि को-वर्किंग सेंटर होगा तो अन्य स्टार्टअप कंपनियां भी यहां आपरेट करेंगी। इस तरह से एक तरह की सोच वाले उद्यमी एक ही स्थान पर काम करेंगे, इससे वे आपस में विचारों को साझा भी करेंगे, जिससे नवाचार का एक बेहतरीन वातावरण राजधानी में तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि रितेश अग्रवाल ने छोटी सी उम्र में बड़ा मुकाम हासिल किया। उनके पास एक विचार था कि लोग अच्छे सुविधाजनक होटल चाहते हैं। डिजिटल क्रांति उसी समय शुरू हुई थी, लोग तेजी से स्मार्ट फोन अपना रहे थे, उन्होंने ओयो एप आरंभ किया और इस छोटे से विचार ने हास्पिटैलिटी सेक्टर में क्रांति ला दी। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवाओं के पास भी ऐसे अनेक विचार हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित हैं। आज को-वर्किंग एंड इनोवेशन सेंटर की शुरूआत इसी का हिस्सा है।

इस अवसर पर ओयो के फाउंडर श्री रितेश अग्रवाल ने कहा कि स्टार्टअप के जरिए हमें बड़ी सफलता मिली थी और वर्तमान में 22 हजार होटल संचालित हो रहा है। छत्तीसगढ़ में इनोवेट के शुरू होने से हजारों युवाओं को फाउंडर बनने का अवसर मिलेगा। गांव के युवाओं के सपने भी पूरे हो सकेंगे। श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आने वाले समय में 500 करोड़ रूपए निवेश करने की तैयारी हमारी कंपनी ने की है और 15 हजार रोजगार भी सृजनित किए जाएंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों की सरहाना करते हुए कहा कि यहां पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है, इससे निश्चित ही स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ एक स्टार्टअप राज्य बनेगा। श्री अग्रवाल ने खुशी जताते हुए कहा कि यह देखा गया है कि बड़ी कंपनी के शुभारंभ में उद्यमी पहुंचते थे, लेकिन आज छत्तीसगढ़ में सुखद अवसर है कि मुख्यमंत्री सहित अन्य सम्मानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नवाचार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए है। इससे जिले में रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। 50 से अधिक महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप को भी बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवगुरूकुल संस्था के युवाओं को जॉब आफर लेटर दिया। शी-हब से जुड़ी महिलाओं और स्टार्टअप कंपनियों के युवा उद्यमियों का सम्मान किया। साथ ही बी.पी.ओ. सेंटर से जुड़े युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। कार्यक्रम के दौरान नवाचार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों का सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, श्री विक्रम उसेंडी, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ओयो फाउंडर रितेश अग्रवाल करेंगे छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ का निवेश

अब स्टार्टअप की दिशा में कमाल करेंगे हमारे युवा : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाठागांव स्थित अंतर्राज्जीय बस स्टैंड में नवनिर्मित इनोवेशन सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही जयस्तंभ चौक के मल्टीलेवल पार्किंग में नवनिर्मित को-वर्किंग स्पेस, आरंभ का वर्चुअली लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सेंटर फॉर इनोवेशन, ट्रेड एंड स्किलिंग की स्थापना, रायपुर जिले में 1000 सीटर को-वर्किंग स्पेस निर्माण और नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक जोन में एक-एक बॉक्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर ओयो के फाउंडर श्री रितेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ रूपए का निवेश करने और 15 हजार रोजगार सृजन करने की बात कहीं। इनोवेट के गेम जोन में मुख्यमंत्री श्री साय एवं ओयो फाउंडर श्री अग्रवाल ने टेबल टेनिस खेल में हाथ आजमाया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने एवं रोजगार के नये अवसर पैदा करने, स्मार्ट सिटी का विचार क्रियान्वित किया। रायपुर को भी स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित किया गया है। राज्य सरकार स्मार्ट सिटी के अनुरूप सुविधाओं को लगातार बढ़ाने के लिए पहल कर रही हैं। श्री साय ने कहा कि युवा उद्यमियों के दिमाग में उद्यम के बहुत से विचार हैं। वे अपना स्टार्टअप आरंभ करना चाहते हैं बस उन्हें थोड़ा सहयोग देने की आवश्यकता है फिर वे कमाल कर दिखाएंगे। सरकार युवाओं के लिए यही सपोर्ट सिस्टम तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं जिला प्रशासन के कार्यों की सरहाना भी की।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए एक आफिस, फर्नीचर, एक अच्छा लोकेशन, कंप्यूटर, वाईफाई चाहिए, लेकिन इतने सब कुछ के लिए ही जो बजट लगता है वो बहुत से युवा उद्यमियों के बस की बात नहीं होती। को-वर्किंग एंड इनोवेशन सेंटर के रूप में यही आफिस स्पेस उन्हें उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 48 लाख रुपए की लागत से जयस्तंभ चैक के मल्टीलेवल पार्किंग सेंटर में आरंभ स्टार्टअप को-वर्किंग सेंटर तथा एक करोड़ रुपए की लागत से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में इनोवेशन सेंटर तैयार किया गया है। यहां स्टार्टअप उद्यमियों को काम करने के लिए आफिस मिल जाएगा। साथ ही प्राइवेट कैबिन होंगे, कंप्यूटर मिल जाएंगे और फर्नीचर उपलब्ध होगा, कैफेटेरिया होगा। प्रेजेंटेशन के लिए आडिटोरियम होगा। उन्हें केवल अपने आइडिया पर काम करना होगा।

साइंस कॉलेज में आज जनादेश परब यातायात पुलिस ने जारी किया रोड मैप

रायपुर। साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में शुक्रवार को राज्य सरकार के द्वारा जनादेश परब का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ ही छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से भाजपा कार्यकर्ताओं शामिल होंगे। इस दौरान कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों के सुगम सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात पुलिस ने निम्नानुसार मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था की मेप गुरुवार को जारी किया।

जारी मैप के अनुसार बिलासपुर संभाग से होकर आने वाले आम नागरिक एवं सदस्य गण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 से सिलतरा नया बाईपास रोड से टाटीबंध चौक से होकर जीई रोड से सीधे एनआईटी ग्राउंड पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर पैदल कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करेंगे।

दुर्ग संभाग से होकर आने वाले आम नागरिक एवं सदस्यगण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 से होकर टाटीबंध चौक से जीई रोड होकर बस डिपो पार्किंग आयुर्वेदिक कॉलेज पार्किंग में अपना वाहन पार्क करेंगे।

बस्तर संभाग, धमतरी व अभनपुर से आने वाले आम नागरिक एवं सदस्यगण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 से होकर पचपेड़ी नाका चौक से रिंग रोड नंबर 01 से होकर होकर भाटागांव चौक कुशालपुर चौक, रायपुरा अंडर ब्रिज से लाखे नगर चौक, आश्रम तिराहा, डगनिया रोड से सीएसईबी मैदान पार्किंग एवं ईदगाह मैदान पार्किंग स्थल में अपना वाहन पार्क करेंगे

महासमुंद, बलोदा बाजार व आरंग की ओर से होकर आने वाले आम नागरिक एवं सदस्यगण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 से होकर तेलीबांधा चौक,, शास्त्री

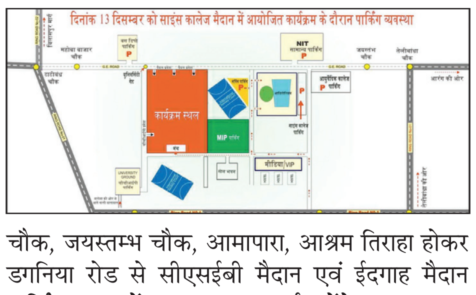

चौक, जयस्तम्भ चौक, आमापारा, आश्रम तिराहा होकर डगनिया रोड से सीएसईबी मैदान एवं ईदगाह मैदान पार्किंग स्थल में अपना वाहन पार्क करेंगे।

कार पास धारी वाहन मार्ग एवं पार्किंग-एमआईपी (एमआईपी) पास धारी वाहन रिंग रोड नंबर 1 से रायपुरा चौक ओवर ब्रिज से यू टर्न होकर ठाकुर बार टर्निंग से गोल चौक रोहनीपुरम हॉस्टल चौक से साइंस कॉलेज मेदन में प्रवेश कर आडिटोरियम के सामने हैलीपैड पार्किंग स्थल में वहाँ पार्क कर सकेंगे।

वीआइपी पास धारी वाहन (मंच के सामने बैठक व्यवस्था) यूनिवर्सिटी गेट से प्रवेश कर यूनिवर्सिटी के अंदर मैदान में वाहन प्रवेश कर सकेंगे।

शासकीय अधिकारी / कर्मचारी एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का वाहन साइंस कॉलेज ग्राउंड स्थित हॉस्टल पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर सकेंगे। जनादेश परब कार्यक्रम के दौरान रायपुर शहर से जीई रोड होकर दुर्ग-भिलाई जाने वाले वाहन चालक आमापारा चौंक से लाखेनगर चौंक, सुंदरनगर से रिंग रोड नंबर 1 से होकर आवागमन कर सकते हैं। इसी प्रकार दुर्ग-भिलाई की ओर से रायपुर शहर आने वाले वाहन चालक टाटीबंध चौक से महोबा बाज़ार चौंक से कोटा रोड से समता कालोनी होकर आवागमन कर सकते हैं।

साय सरकार के एक साल होने पर भूपेश बघेल का तंज

भिलाई। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दुर्ग दौरे पर गुरुवार को पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि विष्णु देव साय सरकार का एक साल पूरा हो चुका है। एक साल में सरकार ने कोई ऐसा काम नहीं किया है जिसका बखान किया जाए। पूर्व सीएम ने कहा कि कानून व्यवस्था लागू करने को लेकर ये सरकार पूरी तरह से विफल रही है। भूपेश बघेल ने प्रदेश में लॉ एंड आर्डर के बिगड़ते हालात को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। भूपेश बघेल

ने कथित ऑनलाइन सट्टा एप को लेकर भी सरकार को निशाने पर लिया। बघेल ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर अब बीजेपी की सरकार है। केंद्र और राज्य को चाहिए कि मिलकर ऑनलाइन सट्टा एप के खिलाफ एक्शन लें। बघेल ने कहा कि सरकार की मंशा पर उनको शक है। सरकार जान बूझकर कानूनी कार्रवाई करने से बच रही है। भूपेश बघेल ने कहा केंद्र और राज्य में दोनों जगहों पर अब तो इनकी ही सरकार काम कर रही है। केंद्रीय एजेंसियों को ये कार्रवाई के निर्देश क्यों नहीं देते हैं। कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरा- बघेल ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कानून व्यवस्था का राज कायम करने में सरकार फेल रही है। बघेल ने कहा कि अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

23 से 29 दिसंबर स्कूल-कालेजों में छुट्टी

रायपुर। स्कूल-कालेजों में अब महीने के आखिरी सप्ताह छुट्टी का माहौल रहेगा। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार ने पहले ही शीतकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक प्रदेश के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूल, प्राइवेट स्कूल एवं बिएड/डीएड कॉलेज बंद रहेंगे। वहीं, 29 दिसंबर को रविवार रहेगा।

बस्तर अंचल में अब बह रही है विकास की बयार : मुख्यमंत्री

■ **मुख्यमंत्री साय ने पखांजूर में 254 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन**

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कांकेर जिले के पखांजूर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों की भलाई और उन्नति के लिए कार्य कर रही है। बस्तर अंचल के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं से बस्तर में रहने वाले लोगों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ-साथ सड़क, स्कूल, पेयजल, आवास, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं आसानी मिल रही है। अब बस्तर में विकास की बयार बह रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में पखांजूर से मायापुर सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 8.78 करोड़ रुपए, खेल परिसर निर्माण के लिए 02 करोड़, सिविल अस्पताल के मरम्मत कार्य के लिए 30 लाख रूपए और नालंदा परिसर लाइब्रेरी निर्माण की घोषणा की। उन्होंने नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री असीम रॉय की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कुल 254.15 करोड़ रुपए के 68 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 215.41 करोड़ रूपए के 43 विकास

कार्यों का भूमिपूजन एवं 38.74 करोड़ रूपए के 25 कार्यों का लोकार्पण सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि 13 दिसंबर को प्रदेश की सरकार का एक साल पूरा होने जा रहा है और इतने कम समय में जनता से किए गए वायदों को पूरा करने सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गठन के तुरंत बाद 25 दिसंबर को सुशासन दिवस पर किसानों को अंतर की राशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए आवासों की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक प्रति मानक बोरा 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के विकास के लिए सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है। नियद नेल्लानार योजना के तहत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वहीं विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास से जोडने् पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। प्रदेश में नई उद्योग नीति लागू कर व्यवसाय और उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह राज्य पीएससी की परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सीबीआई लगातार कार्रवाई कर रही है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि पिछले एक साल में साय सरकार ने प्रदेशवासियों के लिए अनेक कार्य किए। राज्य की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना में हर महीने एक-एक हजार रूपए की राशि दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगातार आवास बन रहे है। किसानों से लेकर हर वर्ग का कल्याण हो रहा है। कार्यक्रम को अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम देव उसेंडी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, नगर पंचायत पखांजूर की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका साहा, पूर्व विधायक श्री देवलाल दुग्गा, मंतूराम पवार, राज्य मत्स्य विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री भरत मटियारा सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 7552 / नि.प्र. क्र.- 07/लो.नि.वि./ 2024-25 दुर्ग, दिनांक 10/12/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :-19/12/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 30/12/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 31/12/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0096	Providing Electrification work to Tahsil office Building at Dhamdha, District Durg	5.40 Lacs
(2) T0097	Providing E/F work to Swami Atmanand English Medium H.S. School Building at Ghotiya, Block-Dondi, District Balod	12.27 Lacs
(3) T0098	Supply wiring & System Set up of CCTV Camera (Excluding Camera) for District & Sessions Court Building at Balod and Sub Court Building at Dallirajhra, Dondilohara & Gunderdehi, District Balod	13.37 Lacs
(4) T0099	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Block Mohla, District Mohla-Manpur-Ambagarhchowi (Zonal work)	4.90 Lacs
(5) T0100	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Block Ambagarhchowki, District Mohla-Manpur-Ambagarhchowi (Zonal work)	4.89 Lacs
(6) T0101	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under E/M Sub Division, District Mohla-Manpur-Ambagarhchowi (Zonal work)	4.97 Lacs
(7) T0102	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under District Mohla-Manpur-Ambagarhchowi (Zonal work)	4.95 Lacs
(8) T0103	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Block Khairagarh, District Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai (Zonal work)	4.96 Lacs
(9) T0104	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Civil Division Khairagarh, District Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai (Zonal work)	4.95 Lacs
(10) T0105	Providing Maintenance of Cooler, Fan and Pump Repair under Block Khairagarh, District Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai	4.98 Lacs
(11) T0106	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Block Chhuikhadan, District Khairagarh-Chhuikhadan-Gandai (Zonal work)	4.99 Lacs
(12) T0107	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Block Dongargarh, District Rajnandgaon (Zonal work)	4.93 Lacs
(13) T0108	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Civil Sub Division No.-01, Rajnandgaon (Zonal work)	4.95 Lacs
(14) T0109	Providing E/F work to OW / Deposit / MOW / S/R / OM work under Civil Sub Division No.-02, Rajnandgaon (Zonal work)	4.90 Lacs
(15) T0110	Providing Maintenance work of Air Conditioner, R.O., Water Cooler, Fan Rewinding, Area Light and Ordinary Maintenance work at Block-Durg, District Durg	4.98 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्ते का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप:- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

कार्यपालन अभियंता
जी-242504482/6 लोक निर्माण विभाग (वि./ या.) संभाग दुर्ग

राजनीतिक दल ईवीएम पर कब तक फोड़ते रहेंगे पराजय का ठीकरा

शिशु शर्मा 'शांतल'

देश में समय-समय पर होने वाले विभिन्न चुनावों के परिणाम आने के बाद इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें यानी ई.वी.एम. अक्सर आलोचना का शिकार बनती आई हैं। हाल ही में सम्पन्न महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनावों के बाद इन दिनों एक बार फिर से यह 'बेचारी' ई.वी.एम. आलोचना का शिकार होकर लगातार मीडिया की सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां भी सत्ता की चाबी जिस दल के पास आती है वह तो ई.वी.एम. की भूमिका पर चुप्पी साध लेता है यानि ई.वी.एम. से निकले जनादेश को सहर्ष स्वीकार कर लेता है और अगर ऐसा नहीं होता तो निशाना ई.वी.एम. बन जाती हैं और ठीकरा 'बेचारी' ई.वी.एम. पर फूटता है। अब अगर महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनावों की ही बात करें तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है जबकि कांग्रेस व अन्य दलों पर आधारित महा विकास अघाड़ी गठजोड़ का प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा है। ऐसे में एक बार फिर से 'बेचारी' ई.वी.एम. राजनीतिक दलों का कोपभाजन बन गई हैं। लेकिन झारखंड में विपक्षी दलों पर आधारित इंडिया गठजोड़ को बहुमत मिला है तो इस जीत पर सब खामोश हैं जबकि सत्ता की पूरी आस लगाकर बैठी भाजपा ने पराजय मिलने पर भी इस जनादेश को सहर्ष स्वीकार किया है। दोनों ही राज्यों में एक जैसी ई.वी.एम. का उपयोग हुआ और एक जैसी प्रणाली ही अपनाई गई तो फिर जब मतदाता की इच्छा के अनुसार जनादेश अलग-अलग है तो 'बेचारी' ई.वी.एम. की यह आलोचना क्यों? राजनीतिक दलों को अपनी लचर कारगुजारी के बल पर चुनावों में मतदाता द्वारा ठुकराए जाने के बाद मिलने वाली पराजय के लिए हार का ठीकरा 'बेचारी' ई.वी.एम. या भारत निर्वाचन आयोग पर फोडऩा कैसे तर्कसंगत माना जा सकता है। राजनीतिक दलों द्वारा उठाई आपत्तियों व शंकाओं का निराकरण चुनाव आयोग एक नहीं अनेकों बार सार्वजनिक तौर पर कर चुका है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम के बाद भी 'बेचारी' ई.वी.एम. आलोचना का शिकार बनी और तब मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कांग्रेस की शंकाओं को सिरे से खारिज करते हुए एकदम निर्मूल व मनघड़ंत बताया लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी विशेष रूप से अपनी लगातार गिरती हुई साख को बचाने के लिए ई.वी.एम. पर निशाना साध रही है। यह कितना हैरानीजनक लगता है कि हिमाचल प्रदेश में इसी ई.वी.एम. से निकले जनादेश के बल पर ही आज वहां सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार सत्ता सुख भोग रही है और वहां भी इस 'बेचारी' ई.वी.एम. पर उंगली उठाई जा रही है यह दिग्भ्रमित कांग्रेस नेता क्यों नहीं सोचते कि ऐसे हास्यास्पद बयान तो आम आदमी के गले भी नहीं उतरेंगे। अब सवाल उठता है कि अगर ई.वी.एम. को हैक किया जा सकता है या ई.वी.एम. पर डाला गया वोट एक विशेष पार्टी के पक्ष में जाता है तो फिर भाजपा के उम्मीदवारों को इतने वोट क्यों नहीं मिल सके कि वे जीत का स्वाद चखने से वंचित रह गए। ऐसा ही जनादेश उत्तर प्रदेश में सामने आया है जहां कि कुल 9 विधानसभा उप चुनावों में से 7 पर भाजपा और 2 पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं। केरल के वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने तो 4 लाख से भी अधिक मतों से धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए लोकसभा में प्रवेश किया है। यानी कहा जा सकता है कि राजनीतिक दल ई.वी.एम. को लेकर अपनी सुविधा के मुताबिक रुख बनाते हैं और 'चित्त भी मेरी पट भी मेरी' की नीति पर चलते हुए अपनी हार के कारणों की विवेचना किए बिना समाज में अपनी हो रही हास्यास्पद स्थिति से बचने का प्रयास करते हैं। कांग्रेस पार्टी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के इस रवैये से समाज के बहुत कम हिस्से में ई.वी.एम. को लेकर एक विपरीत धारणा तो बन सकती है लेकिन देश की बहुसंख्या राजनीतिक दलों की ऐसी बातों पर भरोसा करने को कतई तैयार नहीं है। विभिन्न राजनीतिक दलों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा ई.वी.एम. की वैधता को चुनौती देने वाली अनेक याचिकाओं पर विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालय पहले भी अपना सकारात्मक निर्णय सुना चुके हैं। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि चुनाव में 'बैलेट पेपर' यानी मत पत्र की वापसी नहीं हो सकती है। ऐसे में विभिन्न राजनीतिक दलों को न्यायालय के इस महत्वपूर्ण और दिशा परक निर्णय को स्वीकारते हुए ई.वी.एम. पर आरोप लगाने के इस लम्बे अध्याय को अब दूरदर्शिता दिखाते हुए हमेशा-हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए।

क्या दरकते गठबंधन को बचाने आएंगी सोनिया

जितेंद्र भारद्वाज

गत वर्ष अस्तित्व में आया %इंडिया गठबंधन% अब दरकने लगा है। सहयोगी दलों के कई नेताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाना शुरु कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम %इंडिया गठबंधन% का नेतृत्व करने के लिए आगे किया जा रहा है। पिछले साल जब 16 दलों की पहली बैठक पटना में हुई थी तो पीएम मोदी ने इसे घमंडिया गठबंधन करार दिया था। लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद %गठबंधन% में दरार जैसी स्थिति पैदा हो गई। दो तीन बार ऐसी स्थिति आई, जब यह लगने लगा था कि देर सवेर इंडिया गठबंधन टूट जाएगा।

हालांकि उस वक्त सोनिया गांधी ने गठबंधन को बचाकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई। तब भी ममता बनर्जी मुखर थीं, लेकिन उन्होंने अपनी नाराजगी के बावजूद राहुल गांधी के नेतृत्व में गठबंधन से पूरी तरह किनारा नहीं किया। जानकारों का कहना है कि ममता %दीदी% को भतीजे राहुल से भले ही गुरेज हो, लेकिन %भाभी% यानी सोनिया गांधी से लगाव है। वजह, स्व- पीएम राजीव गांधी, ममता बनर्जी को अपनी छोटी बहन मानते थे। ममता बनर्जी और सोनिया गांधी के बीच स्नेहभाव रहा है।

बता दें कि बिहार के पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री रहे लालू यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में एक बयान दे दिया है। इसके बाद इंडिया गठबंधन की एकता को लेकर सवाल उठने लगे। यादव ने कहा है कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। कांग्रेस ने जब इस पर आपत्ति जताई तो लालू यादव ने कहा, इसका कोई मतलब नहीं है। हम ममता बनर्जी का समर्थन करेंगे। इस बयान पर शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा, इस बारे में इंडिया ब्लॉक में चर्चा चल रही है। इसमें सिर्फ कांग्रेस नहीं है, दूसरी भी पार्टियां हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से हमारे मधुर संबंध हैं। कांग्रेस के ज्यादा सांसद चुन कर आए हैं। ऐसे में सबको साथ में बैठकर नेतृत्व के बारे में चर्चा करनी चाहिए। राहुल गांधी के नेतृत्व पर कोई सवाल नहीं उठा रहा है। राहुल गांधी हमारे नेता हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ देश में जो माहौल बना है, उसमें राहुल गांधी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इससे पहले संसद सत्र की शुरुआत में इंडिया गठबंधन की एकता खंडित नजर आ रही थी। तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने लोकसभा में अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन का हिस्सा नहीं बनने का निर्णय लिया था। ममता बनर्जी की पार्टी के सांसदों ने अडानी विवाद को ज्यादा प्राथमिकता नहीं दी। टीएमसी के सांसदों का तर्क था, संसद सत्र का उपयोग बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और केंद्र द्वारा विपक्षी शासित राज्यों के खिलाफ धन आवंटन में कथित भेदभाव जैसे मुद्दों को उठाने के लिए किया जाना चाहिए। लोकसभा सत्र में प्रश्नकाल के दौरान, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने %संभल% हिंसा का मुद्दा उठाया। यादव ने कहा था, यह बहुत गंभीर मामला है। पांच लोगों की जान चली गई है।

लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी ने अलग अलग चुनाव लड़ा था। इसके चलते दोनों दलों के बीच दूरी बढ़ती चली गई। जून 2023 से लेकर अब तक इंडिया गठबंधन की सिर्फ पांच बैठकें हुईं हैं। इनमें से तीन बैठकें ऐसी थीं, जिनमें इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी एकसाथ नजर आए थे। बाकी की दो बैठकों में कई पार्टियों के नेताओं ने इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनाव के प्रचार में भी गठबंधन के सभी नेता सक्रिय नहीं दिखाई दिए। हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन नहीं हो सका। जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती भी अलग-थलग हो गईं। नीतीश कुमार भी इंडिया गठबंधन से बाहर होकर भाजपा के सहयोगी बन गए।

जेडीयू नेता केसी त्यागी कहते हैं, इंडिया गठबंधन की मौजूदा स्थिति ऐसी है कि आने वाले समय में ये सभी सहयोगी दल, एक दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते हुए नजर आएं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की सीट क्या बढ़ गई, सहयोगी दलों का महत्व ही कम हो गया। ममता दीदी तो जातिगत जनगणना के खिलाफ हैं, जबकि राहुल इसे अपना प्रमुख एजेंडा बनाए हुए हैं। गठबंधन की बैठकों में कांग्रेस के कर्मचारी तक आने लगे थे। दूसरे दलों से कहा गया कि वे एक दो नेताओं को ही बैठक में भेजें। सच यह था कि गठबंधन को खड़ा करने के लिए नीतीश कुमार ने कड़ी मेहनत की थी। उसके बाद कांग्रेस पार्टी ने सभी सहयोगियों को भरोसे में नहीं लिया। कांग्रेस की सोच है कि ये सहयोगी दल, थक हार कर हमारे पास ही आएंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले भी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक बयान ने %इंडिया गठबंधन% की बड़ी दरार को सार्वजनिक कर दिया था। ममता ने कहा था, उनकी पार्टी अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ेगी। इसे इंडिया गठबंधन के लिए बड़ा झटका माना गया। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी को अहंकारी और बेईमान कहा था। तब सोनिया और राहुल ने कुछ नहीं कहा। इतना ही नहीं, चौधरी ने यह भी कह दिया था कि जिन लोगों की वजह से वे (ममता बनर्जी) नेता बनी हैं, उन्हीं को आज अहंकार दिखा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ममता और भाजपा के बीच सांठगांठ हो चुकी है। वो पीएम मोदी को धोखा नहीं देंगी। इतना कुछ होने पर भी ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी और राहुल के प्रति कठोर शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व- राजीव गांधी के समय से ही ममता बनर्जी और सोनिया गांधी के बीच मधुर संबंध रहे हैं। राजीव गांधी उन्हें अपनी छोटी बहन मानते थे। उन्होंने ममता दीदी को यूथ कांग्रेस के महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। बाद में उन्हें मंत्री बनाया और मुसीबत के वक्त उनका साथ भी दिया। नब्बे के दशक में जब ममता पर बेरहमी से हमला किया गया तो राजीव गांधी ने उनके इलाज की व्यवस्था की थी। वे कई दिनों तक वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती रहीं। गांधी परिवार ने उनकी खूब देखभाल की। इसके बाद उनके रिश्ते और ज्यादा मजबूत हो गए। राजीव गांधी की हत्या के बाद 1996 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ी थी। इसके बाद भी सोनिया के साथ उनके रिश्ते कायम रहे। कई अवसरों पर देखा गया है कि पार्टी के बयानों से हटकर सोनिया और ममता, एक दूसरे का सम्मान करती रही हैं। पिछले साल कांग्रेस और टीएमसी के बीच जो तनातनी देखी गई, उससे पुराने रिश्तों में खटास आने की शुरुआत हो गई थी। कांग्रेस से जुड़े एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं, अगर सोनिया गांधी, सीधे ममता से बात करतीं तो मामला इतना नहीं बिगड़ता। राजीव गांधी के निधन के बाद ममता और गांधी परिवार के बीच रिश्तों में उतनी तल्खी नहीं आई थी। वजह, सोनिया गांधी बीच बचाव कर मामला संभाल लेती थी। 2019 के लोकसभा चुनाव और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के बाद, रिश्तों की दूरी बढ़ती चली गई। खरगे को पार्टी की कमान सौंपने के बाद सोनिया गांधी की राजनीतिक सक्रियता कम हो गई।

ममता बनर्जी पर जब अधीर रंजन चौधरी ने तीखी टिप्पणी की तो उस पर सोनिया या राहुल की तरफ से खंडन नहीं आया। कांग्रेस पार्टी की राजनीति को करीब से समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक रशीद किदवई कहते हैं, ये बात ठीक है कि सोनिया गांधी ने पहले भी विपक्ष को एक साथ लेकर चलने की कोशिश की है। वे इसी प्रयास में लगी रही कि एक समान विचारधारा वाले सभी दल साथ आ जाएं। साल 2004 की राजनीतिक परिस्थितियों में विपक्ष पूरी तरह बिखरा हुआ था। उस वक्त सोनिया गांधी ने विपक्ष को एकत्रित किया था। उसके बाद लगातार दस साल केंद्र में यूपीए की सरकार रही। साल 2014 में राजनीतिक स्थिति बदल गई। पॉलिटिक्स में नए प्लेयर आ गए। अब सोनिया गांधी का वैसा राजनीतिक प्रभाव भी नहीं रहा। हालांकि वे प्रयासों में लगी हैं। उनकी रणनीति सटीक है।

उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी अध्यक्ष बनाकर न केवल अपनी पार्टी के भीतर के असंतोष को शांत किया, बल्कि विपक्ष को भी एक संदेश दे दिया। विपक्ष के जो नेता किसी कारणवश राहुल गांधी को पसंद नहीं करते, मगर वे खरगे के साथ बातचीत करने में सहजता महसूस करने लगे। अब भी कई ऐसे नेता हैं, जिन्हें खरगे या राहुल की बजाए, सोनिया गांधी पर भरोसा है, वे वहां जाकर अपनी रख सकते हैं। ममता बनर्जी और सोनिया के बीच हमेशा से सौहार्दपूर्ण संबंध रहा है। अब देखना है कि मौजूदा समय में सोनिया गांधी, ममता बनर्जी व गठबंधन के दूसरे नेताओं को मनाने में कितनी कामयाब हो पाती हैं।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

गतांक से आगे...

इसलिए निश्चित हुआ कि समाजियों के वेद विक्टोरिया के बाद बने हैं- (दयानन्द जी ने तार बनाने की वैदिक विधि का जिक्र इस प्रकार किया है- युवं पेदवे पुरुवारमश्विना स्पृधां श्वेतं तरुतारं दुवस्यथ। (ऋग्वेद 20 1 अ0 8 व0 21 म0 10)

इस मन्त्र से तार विद्या का मूल जाना जाता है पृथ्वो से उत्पन्न धातु तथा काष्ठादि के यन्त्र और विद्युत् अर्थात् बिजली इन दोनों के प्रयोग से तारविद्या सिद्ध होता है। - (तरुतारम्) जो इस प्रकार का ताराख्य यन्त्र है उसे सिद्ध करके प्रोति से सेवन करो । (ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका पृ0 210)

जिस प्रकार तारबर्की किताब के उल्लेख से और दयानन्द के मन- घड़न्त भाष्य से वेदों का अनादित्व दूर नहीं हो सकता इसीप्रकार तौजुक जहाँगीरी पुस्तक की चन्द पंक्तियों से और उन्हें वेदवाक्य मान कर आक्षेप घड़ने वाले महाशयों से भी पुराणों का व्यासकर्तृत्व नहीं हटाया जा सकता।

(2) वैष्णव मत के चलाने वाले रामानुज का प्रादुर्भाव विक्रम की 12वीं शताब्दी, में हुआ है। इसी के मत के लोग शंख-चक्र की छाप तपाकर कन्धों को फूंकते हैं, परन्तु लिङ्गपुराण में शंख चक्रों का खण्डन किया है, यथा- शङ्खचक्रे तापनित्वा यस्य देहः प्रदह्यते। स जीवन् कुणपस्त्याज्यः सर्वकर्मबहिष्कृतः।।

इससे निश्चित हुआ लिङ्गपुराण व्यासकृत नहीं बल्कि 12वीं शताब्दी के बाद का बना हुआ है।

(3) इस आक्षेप का मूलभूत जो श्लोक है प्रतिवादी ने उसका भी पता नहीं दिया, इसलिये यहां भी अवश्य दाल में कुछ काला है। यदि उक्त पुराण में अथवा पुराणान्तर में किसी सम्प्रदाय विशेष की निन्दा के प्रतिपादक ऐसे कुछ श्लोक निकल भी आएं तो वे अवश्य ही प्रक्षिप्त हैं।

क्रमशः ...

उग्रश्रवस के शाप से दुष्पण्य की मृत्यु, महर्षि अगस्त्य ने दिलाई प्रेतयोनि से मुक्ति

आशुतोष गर्ग

एक राजा था, जिसके पुत्र का नाम दुष्पण्य था। वह बचपन से ही क्रूर एवं निर्दयी था। उसे लोगों को सताने में बहुत आनंद आता था। जैसे-जैसे दुष्पण्य बड़ा हुआ, तो वह और अधिक अत्याचारी हो गया। दुष्पण्य ने अनाचार का नया तरीका खोज लिया। वह किसी छोटे बच्चे को बहला-फुसला कर अपने साथ ले जाता और उसे पानी में डुबाकर मार डालता था। पानी में डूबते हुए बच्चे की छटपटाहट देखकर दुष्पण्य को अजीब-सा सुख मिलता था। आखिर दुष्पण्य के इन अत्याचारों को देखते हुए राजा ने अपने पुत्र दुष्पण्य को राज्य से निकाल दिया।

निष्कासित हो जाने के बाद दुष्पण्य एक दिन घूमता हुआ ऋषि उग्रश्रवस के आश्रम तक पहुंच गया। उसने देखा कि आश्रम के पास ऋषिपुत्र खेल रहा था। वह उग्रश्रवस का पुत्र था। बच्चे को देखते ही दुष्पण्य के भीतर सोया हुआ राक्षस जाग उठा। उसके हाथ, नन्हे बालक की हत्या के लिए मचल उठे। बालक को थोड़ी दूरी पर बहती नदी के पास ले आया। फिर उसने बच्चे को पानी में डुबा दिया। बालक चिल्लाता रहा और दुष्पण्य उसे छटपटाता देखकर हंसता रहा। आखिर, मौत से संघर्ष करने के कुछ देर बाद पानी में डूब जाने से उग्रश्रवस के पुत्र की मृत्यु हो गई।

यह बात उग्रश्रवस से छिपी न रह सकी। उन्हें योगबल से तत्काल अपने पुत्र की मृत्यु और उसके कारण का पता लग गया। उग्रश्रवस ने दुष्पण्य को शाप दे दिया, 'दुष्ट! तूने मेरे पुत्र को पानी में डुबाकर मारा है, इसलिए मैं तुझे शाप देता हूं कि तू भी पानी में डूबकर मरेगा और फिर प्रेतात्मा बनकर भटकता रहेगा।' यह सुनकर दुष्पण्य रोने लगा। महर्षि अगस्त्य के अतिरिक्त तेरे त्राण का उपाय किसी के पास नहीं है।' उग्रश्रवस का शाप सुनकर दुष्पण्य को अपने किए पर बहुत पछतावा हुआ। दुष्पण्य के ऊपर उग्रश्रवस के शाप का प्रभाव तुरंत शुरू हो गया। वह अकारण नदी के तट पर पहुंच गया और उसके किनारे पर दौड़ने लगा। तभी दुष्पण्य का पैर फिसला और वह नदी के गहरे पानी में गिर पड़ा। उसे तैरना भी नहीं आता था। आखिर, पानी में डूबने से दुष्पण्य की मृत्यु हो गई, लेकिन शाप के कारण उसकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिली। तब दुष्पण्य की आत्मा ने महर्षि अगस्त्य को खोजना आरंभ कर दिया। कुछ समय भटकने के बाद, दुष्पण्य की आत्मा को महर्षि अगस्त्य के दर्शन हो गए। वह तत्काल उनके पास गया और बोला, 'महर्षि, मेरी रक्षा कीजिए। केवल आप ही मुझे बचा सकते हैं। मेरा उद्धार कीजिए।'

महर्षि अगस्त्य ने दुष्पण्य को देखते ही योगबल से उसे पहचान लिया और उसका अतीत भी जान लिया। उन्हें उस प्रेतात्मा पर दया आ गई। उन्होंने अपने प्रिय शिष्य सुतीक्ष्ण को बुलाया और उससे कहा, 'तुम गंधमादन पर्वत पर जाओ। वहां तुम्हें अग्नितीर्थ नाम का एक पवित्र स्थान मिलेगा। पहले तुम स्वयं उस स्थान पर बने पावन सरोवर में स्नान करना और फिर उसका पवित्र जल लेकर मेरे पास वापस आ जाना।' अगस्त्य के हाथ से पवित्र जल के छींटे पड़ते ही दुष्पण्य को प्रेतयोनि से मुक्ति मिल गई।

बशर अल असद सीरिया छोड़कर क्यों भागे?

अभिनय आकाश

कहते हैं इतिहास खुद को दोहराता है, बस किरदार बदल सा जाता है। चार दशक पहले की बात है 2 फरवरी 1982 की रात विद्रोही ग्रुप मुस्लिम ब्रदरहुड के लड़ाकों ने सीरियाई सेना की एक टुकड़ी पर घात लगाकर हमला किया। इस घटना के बाद सीरिया के तत्कालीन राष्ट्रपति हाफिज अल असद और विद्रोही गुटों की लड़ाई ने खूब जोर पकड़ा। सीरिया के खिलाफ शहर में एक विद्रोह पनप उठा। मुस्लिम ब्रदरहुड के लड़ाकों ने सरकारी नेताओं के घरों और ऑफिस पर हमला करना शुरू किया। उनका मकसद हमा शहर पर कब्जा जमाना था। इस विद्रोह का खात्मा करने के लिए हाफिज अल असद ने करीब आठ हजार सैनिकों से हमा शहर की घेराबंदी करा दी और बमबारी का आदेश दे दिया। इस ऑपरेशन को हाफिज अल असद के भाई रिफात अल असद ने लीड किया। सैनिकों ने 27 दिन में शहर को लगभग समतल बना दिया। इसके बाद दो हफ्तों तक घर घर तलाशी और सामूहिक तलाशियां चली। रिपोर्ट बताते हैं कि इसमें करीब 10 हजार से 40 हजार लोग मारे गए। इसके बाद रिफात अल असद को हमा का कसाई कहा जाने लगा। इस घटना के 42 साल बाद मीडिल ईस्ट के देश सीरिया में सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह हो रहा है। मीडिल ईस्ट के देश सीरिया में सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह हो रहा है। कुछ कुछ 1982 की तर्ज पर सीरिया सरकार के खिलाफ एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। इस बार मुस्लिम ब्रदर हुड की जगह हयात तहरीर अल शाम विद्रोही गुट का नेतृत्व कर रही है। वहीं हाफिद अल असद के बेटे बशर अल असद के पास सीरिया की कमान है।

सीरिया में विद्रोही गुट यानी रिबेल ग्रुप ने सीरिया के कई शहरों पर कब्जा जमा लिया है। रिबेल ग्रुप ने 7 दिसंबर को कहा कि उन्होंने उत्तरी और मध्य सीरिया के बाद इसके ज्यादातर दक्षिणी हिस्से पर भी कब्जा जमा लिया है। इन सब के बीच सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के शासन को बचाने के लिए वहां की सेना शहर होम्स की रक्षा में लगी थी। तभी 8 दिसंबर को खबर आई कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद राजधानी दमिश्क से किसी अज्ञात जगह पर चले गए हैं। हालांकि शुरू में स्पष्ट नहीं हो पाया कि विमान में कौन सवार था। रॉयटर्स ने फ्लाइट रडार की वेबसाइट के हवाले से बताया कि सीरियाई एयर के एक प्लेन ने दमिश्क एयरपोर्ट से लगभग उसी वक्त उड़ान भरी जब राजधानी पर विद्रोहियों के कब्जे की खबर मिली थी। प्लेन ने शुरुआत में सीरिया के तटीय क्षेत्र की तरफ उड़ान भरी। हालांकि प्लेन ने बाद में अचानक यू टर्न लिया और कुछ टाइम तक उड़ता रहा। बाद में वो मैप से गायब हो गया। अंदाजा ये भी लगाया गया कि कहीं हमलावरों ने उनके विमान को मार तो नहीं गिराया है। लेकिन अब ये अपडेट सामने आया है कि बशर अल असद रूस पहुंच गए हैं और अपने परिवार के साथ पहुंचे हैं। अपने परिवार के साथ वो पहुंचे हैं।

सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो गई है। सीरिया में विद्रोह के बाद असद रूस पहुंच गए हैं। यहां उन्हें राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने मानवीय आधार पर शरण दे दी है। रूस ने ये भी कहा कि वो सीरिया विवाद के राजनीतिक समाधान का समर्थन करता है। बताया जा रहा है कि रूस और एचटीएस के बीच एक डील के बाद असद रूस पहुंचे। वहीं विद्रोहियों ने रूस को ये आश्वासन दिया कि टार्टस में रूसी नेवल बेस और रूसी दूतावास को पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। वहीं वियना में रूस के राजदूत मिखाइल उल्यानोव ने अमेरिका पर बड़ा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उन्?होंने कहा कि रूस कठिन परिस्थिति में अपने दोस्?तों को धोखा नहीं देता है। मिखाइल ने कहा कि यही रूस और अमेरिका में अंतर है। रूस भले ही चाहे जो दावा करे लेकिन विश्लेषक इससे सहमत नहीं है। वो इसे रूस की प्रतिष्ठा के लिए बड़ा झटका मान रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि करीब 24 साल के बाद असद के शासन का अंत होना रूस की प्रतिष्ठा के लिए बड़ा झटका है। ये रूस की ही सेना थी जिसके बल पर इतने सालों से असद सरकार में बने हुए थे। उन्होंने कहा कि रूस का सीरिया प्रोजेक्ट फेल हो रहा था, लेकिन मॉस्को के पास इतनी ताकत नहीं बची थी कि वो इसे रोक सके। साल 2015 में हजारों की तादाद में सैनिक भेजकर राष्ट्रपति असद को मजबूत किया था। सीरिया प्रोजेक्ट के रूप में रूस का मकसद था कि वैश्विक ताकत के रूप में खुद को पेश करे। पुतिन के लिए पहली बड़ी चुनौती थी कि पश्चिमी देशों को रूसी ताकत और प्रभुत्व को दिखा सके जो सोवियत के विघटन के बाद धूमिल हो गया था। पुतिन अपने इस मिशन में साल 2017 में सफल हो गए थे। रूसी राष्ट्रपति हमियन बेस पर पहुंच कर ऐलान किया था कि उनका मिशन पूरा हो गया। सीरिया ने सैन्य मदद की एवज में रूस को अपना हमिमेन और टार्टस नेवल बेस 49 सालों की लीज पर दिया। इससे रूस की पूर्वी भूमध्य सागर में पकड़ मजबूत हुई। इससे रूस आसानी से अफ्रीका में अपने सैन्य ठेकेदारों को आसानी से भेजने और बुलाने लगा। असद मीडिल ईस्ट में रूस के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक रहे हैं।

न्यूज एजेंसी रायटर्स की खबर के अनुसार विद्रोहियों का कहना है किहम सीरियाई लोगों के सामने अपने कैदियों की रिहाई और उनकी जंजीरों को खोलेन की खबर का जश्न मना रहे हैं। हम सेडनाया जेल में अन्याय के युग की समाप्ति की घोषणा करते हैं। इससे पहले विद्रोहियों ने घोषणा की थी कि उन्होंने एक दिन की लड़ाई के बाद ही सीरिया के प्रमुख शहर होम्स पर पूरा कंट्रोल हासिल कर लिया था। सीरिया में असद सरकार को गिराने वाले एचटीएस के सुप्रीम लीडर अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने दमिश्क की सबसे पवित्र उमय्यद मस्जिद में भाषण दिया। यह 1300 साल पुरानी मस्जिद दुनिया की सबसे प्राचीन मस्जिदों में से है। जुलानी ने अपने भाषण में कहा कि दमिश्क में विद्रोहियों की जीत से पांच दशकों से कैद लोगों को आजादी मिली है। मिडिल ईस्ट में एक नया इतिहास लिखा गया है। अब सीरिया की जनता ही असली मालिक है। जुलानी ने कहा कि सीरिया में किसी से बदला नहीं लिया जाएगा। सीरिया, सभी सीरियाई लोगों का है। जुलानी ने अपने भाषण में असद को अलावी (शिया) और खुद को सुन्नी जताने की कोशिश की। जुलानी ने ईरान से कहा कि सीरिया में अब उनका हस्तक्षेप खत्म हो गया है। अब सीरिया की सरकार ईरान के इशारे पर नहीं चलेगी।

आपको बता दें कि सीरिया में जारी हिंसा के मद्देनजर भारत ने अपने नागिरकों को वहां की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दमिश्क में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के संपर्क में है। मंत्रालय ने सीरिया में सत्ता हस्तांतरण की शांतिपूर्ण और समावेशी प्रक्रिया का भी आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम सीरिया में चल रहे घटनाक्रम के मद्देनजर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हम सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने की दिशा में सभी पक्षों को काम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

आज का इतिहास

1774 अमेरिकी क्रांति की पहली घटना- 400 हमले एफटी विलियम और मैरी पर न्यू हैम्पशायर में हुए।

1779 एलेक्जेंडर, विकोमेट डे बेउहर्नैस ने जोसेफिन टेसर से शादी की।

1795 वोल्ड न्यूटन उल्कामी: इंग्लैंड के यॉर्कशायर में एक गांव, वोल्ड न्यूटन पर एक उल्कापात हुआ।

1843 बसुतोलांड एक ब्रिटिश संरक्षक बनाये गए।

1884 पर्सी एवरिट ने सिक्का डालकर वजन बताने वाली मशीन का पेटेंट कराया।

1916 आस्ट्रिया के टायरॉल में हिमस्खलन से 24 घंटे में 10,000 ऑस्ट्रियाई और इतालवी सैनिकों की मौत हुई।

1920 नीदरलैंड के हेग में लीग ऑफ नेशंस का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थापित हुआ।

1937 दूसरे चीन-जापानी युद्ध-जापानी सेना ने नानजिंगचाइना पर कब्जा कर लिया और फिर अगले कई स्थानों पर कई अत्याचार करने लगे।

1959 आर्क विशप वकारियोस साइप्रस के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए।

1960 इथियोपिया के सम्राट हैली सेलासी को देश से बाहर करने के साथ, चार षड्यंत्रकारियों ने तख्तापलट की कोशिश की और क्राउन प्रिंस असफॉ वोसन को नए सम्राट के रूप में स्थापित किया।

1967 ग्रीस के राजा कॉन्स्टेंटिने द्वितीय ने देश छोड़ दिया जब उनके तख्तापलट का प्रयास विफल हो गया।

1981 पोलिश प्रधान मंत्री वोज्शिएक जारुज़ेल्स्की ने मार्शल लॉ घोषित किया, एकजुटता को निलंबित कर दिया और कई यूनियन नेताओं को कैद कर लिया।

1989 द ट्राइबल्स-प्रोविजनल आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड के काउंटी फरमानाग में एक वाहन चेकपॉइंट कॉम्प्लेक्स में किंग्स ओन स्कॉटिश बॉर्डरर्स के साथ एक भयंकर देवदार एफआईईटी लगी।

1996 कोफी अन्नान संयुक्त राष्ट्र के महासचिव चुने गये।

2002 यूरोपीय संघ का विस्तार किया गया। साइप्रस, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, हंगरी, लातेविया, लिथुआनिया, पोलैंड, स्लोवाकिया और स्लोविनिया इसमें शामिल किए गए।

2005 न्यू जर्सी में एक आवासीय इमारत के ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई और धुएं के गुबार हवा में उड़ गए।

दक्षिण अबूझमाड़ में हुई मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर

नारायणपुर। दक्षिण अबूझमाड़ इलाके में गुरुवार सुबह नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में अब तक सात नक्सली ढेर कर दिए गए हैं। मुठभेड़ में शामिल जवानों ने सात नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी स्तर के नक्सली के मारे जाने की सूचना मिली है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ में 7 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि सर्च अभियान जारी है। विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जावेगी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सल विरोधी सर्च अभियान में मंगलवार को नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के साथ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) तथा सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। चार जिले के एक हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। बस्तर में केंद्रिय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 से 16 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ में रहेंगे। इस दौरान वे बस्तर के धुर नक्सल ईलाको में जा सकते हैं।

तर्रेम व गंगालूर इलाके से 20 किलो के तीन आईईडी बरामद

बीजापुर। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सीआरपीएफ, डीआरजी बीजापुर और बीडीएस की संयुक्त टीम ने थाना तर्रेम और गंगालूर क्षेत्र से नक्सलियों द्वारा लगाये गये 20 किलो के तीन आईईडी को जवानों ने बरामद किया है। आईईडी प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया गया था, जिसे बीडीएस बीजापुर की टीम एवं सीआरपीएफ170वीं बटालियन की बीडीएस टीम के द्वारा मौके पर सुरक्षित रूप से नष्ट कर नक्सलियों के नापाक मंसूबे को विफल कर दिया है।

बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि गंगालुर थाना में डीआरजी बीजापुर व बीडीएस बीजपुर की संसुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान टीम ने मुनगा जाने वाले पगडंडी रास्ते से 10 किलो का आईईडी बरामद किया, जिसे बीडीएस बीजापुर की टीम ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। वहीं तर्रेम थाना क्षेत्र के कोंडापल्ली छुटवाई मार्ग से कोबरा, सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी ने 5 -5 किलो के दो आईईडी बरामद किये, जिसे 170वीं बटालियन की बीडीएस टीम ने मौके से बरामद कर उसे मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया।

नक्सल मामले में जांच करने सुकमा पहुंची एनआईए टीम

जगदलपुर। नक्सल मामले की जांच करने के लिए गुरुवार की सुबह हैदराबाद से एनआईए की टीम ने सुकमा पहुंची। एनआईए टीम की दबिश से सुकमा में हड़कंप मच गया। कई ठिकानों पर टीम लगातार पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है गुरुवार की तड़के एनआईए की टीम हैदराबाद से सुकमा पहुंची। टीम ने दो ठिकानों में छापेमारी की। नक्सल मामलों को लेकर यह जांच की जा रही है। वहीं, इस छापेमारी से शहर में हड़कंप मचा है। कार्रवाई पूरी होने के बाद आगे की जानकारी बताई जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल एनआईए की जांच टीम किसी से भी न ही चर्चा कर रही है और न किसी को अंदर प्रवेश करने दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी जवानों को बधाई

रायपुर। नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में 7 नक्सलियों के मारे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में जानकारी साझा करते हुए इसे सुलक्षाबलों की बड़ी सफलता करार देते हुए जवानों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा कि इस अभियान में शामिल सभई सुरक्षा अधिकारियों, जवानों की बहादुरी को सलाम करता हूं, बधाई देता हूं। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी।

बता दें कि अबूझमाड़ क्षेत्र में 40 से 50 बड़े कैडर की नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोण्डागांव और बस्तर जिले से जवानों ने इलाके की घेराबंदी की थी। इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की खबर पर इलाके को घेरने पहुंचे जवानों ने रात तीन बजे से ही नक्सलियों पर फायरिंग चालू कर दी थी।

बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सफलता के दो गौरवपूर्ण वर्ष

बिलासपुर। भारतीय रेलवे की आधुनिकतम और श्रेष्ठतम वंदे भारत एक्सप्रेस, जो बिलासपुर और नागपुर के मध्य संचालित होती है, ने अपने दो वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस प्रतिष्ठित ट्रेन को दो वर्ष पूर्व हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था। यह गाड़ी अपनी उच्च गति, आधुनिक सुविधाओं और समय की पाबंदी के लिए प्रसिद्ध है। इस वंदे भारत रेक का रखरखाव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो, बिलासपुर में किया जा रहा है। कोचिंग डिपो बिलासपुर के अधिकारियों , सुपरवाइजर और कर्मचारियों ने नई तकनीक से युक्त इस वंदे भारत रेक के संचालन में अपने कौशल, ज्ञान और अनुभव का प्रदर्शन करते हुए इसे पूरी दक्षता के साथ संचालित किया है। पिछले दो वर्षों में इस ट्रेन ने बिना किसी तकनीकी समस्या के सुचारु और निर्बाध रूप से अपनी

सेवाएँ प्रदान की हैं। बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों के सफर को न केवल आरामदायक और सुरक्षित बनाया है, बल्कि यात्रा समय को भी उल्लेखनीय रूप से कम किया है। यह गाड़ी लगभग 412 किलोमीटर की दूरी को केवल 5.5 घंटे में तय करती है। इसमें उत्कृष्ट आसंदी व्यवस्था, वाई-फाई, इन्फोटेनमेंट प्रणाली और स्वचालित दरवाजों जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ट्रेन न केवल व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि क्षेत्रीय समृद्धि में भी योगदान दे रही है।

उप मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध, काफिले में घुसी अज्ञात कार, हिरासत में आरोपी

दुर्ग। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के काफिले में अचानक एक नीली बत्ती वाली अज्ञात कार के सेंध लगाने की सूचना है। फालो गार्ड ने संदेह होने पर दुर्ग की ट्रैफिक पुलिस ने कार को रोककर पूछताछ की है। कार चालक का नाम दया राजपूत है, जो रिसाली निवासी है। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दुर्ग शहर के एएसपी सुखनंद राठौर ने बताया कि 10 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री अरुण साव बालोद जिले के राजाराव पठार मेले में शामिल हुए। इसके बाद विकास कार्यों के भूमिपूजन करने के लिए डिप्टी सीएम जामुल के लिए रवाना हुए।

जब उनका काफिला बालोद से निकला तो रास्ते में अचानक एक नीली बत्ती लगी कार उनके काफिले के साथ चलने लगी। डिप्टी सीएम के फॉलो गार्ड को संदेह हुआ तो उसने दुर्ग पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद दुर्ग पुलिस अलर्ट हुई और कार को रोका गया।

एएसपी (शहर) सुखनंदन राठौर ने कहा अज्ञात कार को रोककर पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि वह राजाराव पठार मेले में बुकिंग पर गया था। उसने सोचा कि उप मुख्यमंत्री के काफिले के पीछे जल्द दुर्ग पहुंच जाएगा, इसलिए उसने अपनी गाड़ी काफिले के पीछे लगा दी। पुलिस ने युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

फॉलो गार्ड की सूचना पर सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस ने संदेही वाहन को रोककर कार चालक को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ करने के बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराों के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपी कार चालक के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पीएम आवास के नाम पर धोखाधड़ी

सरपंच, तत्कालीन सचिव, रोजगार सहायक, तत्कालीन डाटा एंट्री ऑपरेटर मेट व महिला के खिलाफ मामला दर्ज

महासमुंद। प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में सांकरा पुलिस ने जनपद सीईओ की रिपोर्ट पर सरपंच, तत्कालीन सचिव, रोजगार सहायक, तत्कालीन डाटा एंट्री ऑपरेटर, मेट तथा फर्जी तरीके से लाभ लेने वाली महिला के विरूद्ध धारा 420,34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2020-21 में हितग्राही प्रेमशीला बांक ग्राम उतेकेल जनपद पंचायत पिथौरा के नाम पर आवास स्वीकृत हुआ था। लेकिन इनके स्थान पर अन्य हितग्राही प्रेमशीला पति विकास बांक ग्राम उतेकेल. जनपद पंचायत पिथौरा को आवास योजना अंतर्गत लाभान्वित कर दिया गया। इसकी शिकायत जनपद में की गई थी। प्राप्त शिकायत आवेदन की जांच टीम द्वारा करने पर ग्राम पंचायत उतेकेल के सरपंच जानकी बांक, सचिव सत्यानंद बांक, रोजगार सहायक कमला सिदार, डाटा एण्ट्री आपरेटर शशिभूषण बरिहा, मेट संजय यदु, प्रेमशीला बांक ने एक राय होकर अपात्र हितग्राही को शासकीय योजना के अंतर्गत आवास प्रदान करवाकर अपने परिचित के व्यक्ति को लाभ पहुंचा कर धोखाधड़ी प्रमाणित हुई।

इस संबंध में सीईओ द्वारा सांकरा पुलिस को लिखित शिकायत की गई। शिकायत पर पुलिस ने जानकी बांक, सत्यानंद बांक, कमला सिदार, शशिभूषण बरिहा, संजय यदु, प्रेमशीला बांक, कमला सिदार के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

लोहारीडीह कांड में आरोपियों को मिली जमानत

आधी रात जेल से बाहर आए 16 आरोपी

कवर्धा। लोहारीडीह कांड के 16 आरोपियों को 03 महीने बाद बुधवार को जमानत मिल गई। जिसके बाद देर रात आरोपियों को जेल से रिहा किया गया है। साथ ही 07 महिला आरोपियों को भी दुर्ग जेल से रिहा किया गया है। अब भी घटना के 54 आरोपी जेल में ही बंद हैं। जिनकी जमानत नहीं हो पाई है।

ये वो आरोपी हैं जिनका आगजनी हत्याकांड में शामिल होने का पुलिस को कोई सबूत नहीं मिला था, जिसके कारण न्यायालय ने इन लोगों पर दर्ज 04 प्रकरण से मुक्त किया था। इन पर सिर्फ एक पुलिस पर पथराव करने का एक मामला दर्ज था।

पुलिस ने लोहारीडीह कांड के सभी आरोपियों पर पांच अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जिसमें रघुनाथ साहू के मकान में आगजनी, हत्या और पुलिस पर मारपीट और पथराव का मामला दर्ज था। लेकिन एसआईटी की जांच टीम ने जांच में बुधवार को रिहा हुए लोगों का आगजनी में शामिल होने और रघुनाथ साहू की हत्या में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला। जिसके कारण पहले पुलिस ने 14 नवंबर को न्यायालय से निवेदन कर इन पर दर्ज हत्या आगजनी के चार अपराध से मुक्त करने की अपील की थी। जिसे कोर्ट ने 19 नवंबर को खारिज कर दिया था।इसके बाद परिजनों ने उच्च न्यायालय में अपील किया थी तब कोर्ट ने उन पर दर्ज 04 प्रकरण से मुक्त कर दिया था जिससे इनको जमानत मिलने में आसानी हुई।

कबीरधाम जिले के रेंगाखार थाना अंतर्गत लोहारीडीह गांव में शिव प्रसाद उर्फ कचरु साहू के मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्या की आशंका में रघुनाथ साहू के मकान में आग लगाकर उसकी हत्या कर दी थी।इस दौरान पुलिस पर पथराव भी किया गया था।

इस मामले में पुलिस ने 161 लोगों पर नामजद पांच एफआईआर दर्ज कर 33 महिला समेत 69 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें से एक आरोपी की जेल में मौत हो गई थी। 23 आरोपियों को जमानत मिल गई।वहीं 54 आरोपी अब भी जेल में हैं। जबकि 98 आरोपी फरार चल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

लड़की का इंस्टाग्राम हैक कर पोस्ट किए अश्लील फोटो

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले में सोशल मीडिया इंस्टाग्राम आईडी को हैक कर अश्लील फोटो और मैसेज पोस्ट करने वाले आरोपी को मुलमुला थाना पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। युवती ने 23 अगस्त को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जानकारी अनुसार, मुलमुला क्षेत्र की रहने वाली युवती ने अपने माता-पिता के साथ 23 अगस्त को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस को युवती ने बताया था कि उसके इंस्टाग्राम आईडी को हैक कर लिया गया है। अश्लील फोटो और मैसेज पोस्ट कर उसे बदनाम किया जा रहा है। अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की गई। साइबर टीम जांजगीर की मदद से आरोपी किशन कुमार मंडल का लोकेशन महाराष्ट्र में होने पर पुलिस टीम उसे घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपी किशन कुमार ने बताया कि वह गुस्से में आकर इंदु बंजारे के व्हाट्सएप एवं फेसबुक से फोटो निकालकर फोटो के साथ छेड़छाड़ कर अश्लील फोटो बनाकर पीड़िता के इंस्टाग्राम आईडी में अपलोड किया था।

गांजा तस्कर से करीब 350 किलो गांजा जब्त

धमतरी। गांजा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को केरेगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी से करीब 350 किलो गांजा जब्त किया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम माड़मसिल्ली सियारीनाला पुलिया के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई है। सूचना मिलते ही केरेगांव पुलिस मदद के लिए मौके पर पहुंची, जहां एक गाड़ी पलटी हुई मिली। गाड़ी के पास एक व्यक्ति खड़ा हुआ था। उसका नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रदीप कुमार निवासी जिला हिसार (हरियाणा) का रहने वाला बताया। पुलिस को शक हुआ तो पुलिस द्वारा गाड़ी की तलाशी ली गई, जिस पर चार पैकेट गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पकड़े गए आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि कुछ गांजा के पैकेट नाला में झाड़ियों के बीच में छुपा कर रखे हैं। बताए गई जगह की तलाशी लेने पर 63 पैकेट गांजा बरामद किया गया। वहीं, आरोपी ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा खरीद कर हरियाणा ले जा रहा था।

बीजापुर के पोटाकेबिन की एक और छात्रा की हुई मौत

जगदलपुर। बीजापुर जिले के नैमेड़ में संचालित होने वाले पोटाकेबिन छात्रावास में पढ़ने वाली एक 15 वर्षीय छात्रा की उपचार से पहले मौत हो गई। जिसके बाद गुरुवार की सुबह उसके शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौप दिया गया। मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नैमेड़ में संचालित होने वाले पोटाकेबिन में पढ़ने वाली छात्रा विमला कवासी 15 वर्ष दुगेली थाना क्षेत्र के ग्राम तोयनार की निवासी है, वह पोटाकेबिन छात्रावास में कक्षा 10वीं की छात्रा थी। बताया जा रहा है कि विमला का अचानक से 24 नवंबर को स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसे नैमेड़ के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। जहां स्वास्थ्य में सुधार होने के कारण उसे वापस छात्रावास लाया गया। 28 नवंबर को दोबारा स्वास्थ्य खराब होने के कारण वापस उसे नैमेड़ ले जाया गया, वहां से उसे बेहतर उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। जहां से स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने के कारण 11 दिसंबर को विमला को बीजापुर से जगदलपुर मेडिकल कॉलेज 108 के माध्यम से रेफर किया गया।

हाईकोर्ट के निर्देश बाद कब्र से निकाली गई कचरू की लाश

कबीरधाम। लोहारीडीह गांव के निवासी मृतक शिवप्रसाद साहू उर्फ कचरू के शव को कब्र से खोदकर निकाला गया। इसके बाद फिर से पोस्टमार्टम होगा। बीते माह नवंबर में एमपी हाईकोर्ट ने शिवप्रसाद साहू के शव परिजनों की मौजूदगी में कब्र से निकालकर विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम से पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने कहा था। इस मामले में मृतक की बेटी ने हाईकोर्ट में अपने वकील में माध्यम से याचिका लगाई थी। गुरुवार को गांव में बालाघाट पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कब्र से कचरू साहू के शव को निकाला है, जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बता दें कि इसी साल 15 सितंबर को लोहारीडीह गांव के रहने वाले शिवप्रसाद साहू का शव बालाघाट जिला अंतर्गत बोरसी थाना क्षेत्र के जंगल में पेड़ पर फांसी पर लटका मिला था। शुरुआती जांच में बोरसी पुलिस ने इसे आत्महत्या कहा था। हालांकि, 16 अक्तूबर को पुलिस ने खुलासा किया था कि शिवप्रसाद साहू की हत्या कर उसके शव को फांसी पर लटका दिया था।

एक ही पेड़ पर लटके मिले लड़का-लड़की के शव

कोरबा। कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र ग्राम सुपातराई के आश्रित मोहल्ला तिहलापताई में खेत पर लड़का और लड़की की लाश मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते लोगों के भीड़ एकत्रित हो गई और देखने आसपास के गांव के लोग पहुंचने लगे। इसकी सूचना तत्काल संबंधित उरगा थाना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह के वक्त जब गांव के कुछ लोग खेत में काम करने जा रहे तभी एक खेत में पेड़ पर दोनों की लाश एक साथ लटकी हुई देखी गई। जिसके बाद लोगों ने तुरंत गांव के कोटवार को इसकी सूचना दी और मौके पर पहुंचे। देखने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल के पास से एक बाइक, पर्स, और रुमाल मिला है। संभावना जताई जा रही है कि ये शव प्रेमी जोड़े की हो सकते हैं, जिसके आधार पर पहचान करने में पुलिस जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि युवती की उम्र लगभग 18 से 20 साल हो सकती है वहीं युवक की उम्र 21 से 22 साल बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते हैं पुलिस मौके पर पहुंची।

85 लाख का लिया कर्ज, तीन साल में हुआ 12 करोड़, सूदखोरी की शिकायत आरबीआई से की

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय में सूदखोरी की चर्चा फिर एक बार चर्चा का विषय बन गया है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के एक ठेकेदार बिल्लू बजाज ने सूदखोर नानजी भाई चोपड़ा से 85 लाख का कर्ज लिया था, जो तीन साल में बढ़कर 12 करोड़ हो गया। प्रताडऩा के चलते उन्हें शहर छोड़कर रायपुर में रहना पड़ रहा। पीड़ित ने इसकी शिकायत आरबीआई रीजनल कार्यालय रायपुर सहित दिल्ली मुख्यालय को किया है। इस पर नानजी भाई चोपड़ा ने कहा कि लेन-देन का विषय मेरे व बिल्लू के बीच का है। प्रताडऩा का आरोप निराधार है।

ठेकेदार बिल्लू बजाज का कहना है कि वर्ष 2019 में उसने नानजी भाई चोपड़ा से 85 लाख रुपये का ऋण लिया था। वर्ष 2022 में यह रकम बढ़कर करीब 12 करोड़ हो गई। चोपड़ा की हैंडराइटिंग में उपलब्ध खाते में जो हिसाब दर्ज है, उसमें चेक से ब्याज की रकम चोपड़ा की पुत्रवधू रीता के खाते में अंतरित की गई है। इसके बाद ब्याज की राशि लगातार बढ़ती रही। प्रताडऩा के चलते बजाज के परिवार को शहर तक छोडऩा पड़ गया। शिकायतकर्ता ने बिल्लू बजाज आरोप लगाया है कि चोपड़ा ने अपनी शर्तों और दरों पर एक अवैध बैंक संचालित कर रखा है। इसका न तो आरबीआइ से लाइसेंस लिया है न वित्त विभाग के नियमों का पालन कर रहा है। अवैध सूदखोरी के इस कारोबार में लेन-देन चोपड़ा और उसके स्वजनों के बैंक खातों से खुलेआम किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने सभी खातों की जांच करवाने की मांग की है।

गिट्टी एवं रेत का अवैध परिवहन करते 13 हाइवा को किया जब्त

मुंगेली। गौण खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने और संलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु राजस्व खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त रूप से जांच-पड़ताल का सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। जांच-पड़ताल टीम ने गुरुवार को रायपुर रोड बायपास मुंगेली में गिट्टी एवं रेत का अवैध परिवहन करते 13 हाइवा को जब्त किया गया है। कलेक्टर श्री राहुल देव के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत आज जब्त हाईवा में 08 हाइवा में रेत एवं 05 हाइवा में गिट्टी का अवैध परिवहन किया जा रहा था।

मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल ने बताया कि वाहन चालकों द्वारा परिवहन संबंधी अनुमति पत्र, रायल्टी या कोई वैध दस्तावेज नहीं होने के कारण जब्त कर पुलिस लाइन लालाकापा रक्षित निरीक्षक के सुपुर्द किया गया है। जांच टीम में तहसीलदार मुंगेली श्री कुणाल पांडे, अतिरिक्त तहसीलदार सहित राजस्व अमला एवं सहायक उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

छात्रावास की छत से गिरकर छात्रा की हुई मौत मामले में कलेक्टर ने जांच टीम गठित की

कांकेर। जिले के प्रयास आवासीय विद्यालय के तीसरी मंजिल से गिरकर घायल हुई ग्यारहवीं की छात्रा का इलाज के दौरान मौत हो गई है। सोमवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे छात्रा छत से नीचे गिर गई थी जिसे गंभीर अवस्था में रायपुर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया। छात्रा के छत से गिरने को लेकर सवाल खड़े हो रहे है, स्कूल प्रबंधन का कहना है कि छात्रा छत में धूप सेंक रही थी तभी उसका पैर फिसला और नीचे जा गिरी, लेकिन छत की बाउंड्रीवाल 3 से 4 फीट के करीब है, जिससे पैर फिसलने से गिरने की संभावना कम लगती है। जिसे ध्यान में रखते हुए जिले के कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर ने एसडीएम के नेतृत्व में जांच टीम गठित कर दी है। वहीं सूत्रों से जानकारी निकल कर आ रही है कि छात्रा किसी बात को लेकर कुछ दिनों से परेशान चल रही थी, जिसको लेकर छात्रा ने अपने परिजनों को भी अवगत करवाया था, अब जांच के बाद ही सच सामने आ सकेगा कि छात्रा हादसे का शिकार हुई है या फिर उसने आत्महत्या की है।

समाचार पचीसा
रायपुर, शुक्रवार 13 दिसंबर 2024

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कल्याण बनर्जी के बयान से नाराज हुए लोकसभा अध्यक्ष

नईदिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में की गई विवादास्पद टिप्पणियों की निंदा की और सदस्यों से अपने भाषणों में किसी भी जाति, समाज, महिलाओं या पुरुषों पर व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचने का अनुरोध किया। बिरला ने कहा कि बुधवार को सदन में जो कुछ भी हुआ वह अत्यंत अनुचित था और किसी भी सम्मानित सदस्य विशेषकर महिलाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। यह सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं है। स्पीकर ने आगे कहा कि मैं सम्मानित सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे अपने भाषणों में किसी भी जाति, समाज, महिला, पुरुष आदि पर व्यक्तिगत टिप्पणियाँ करने से बचें। माननीय सदस्य (कल्याण बनर्जी) ने इसके लिए सदन में माफी भी मांगी है और मुझे लिखित में भी दिया है। लोकसभा में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद बनर्जी की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर व्यक्तिगत टिप्पणियाँ की थी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री फडणवीस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने इसकी पुष्टि की। शरद पवार से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि मैं एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार को उनके जन्मदिन पर बधाई देने गया था। जहां तक बात कैबिनेट विस्तार की है तो महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार 14 दिसंबर को होगा। इस बीच महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने मेरे और अजित पवार के दिल्ली आने के बारे में बहुत सी खबरें चलाई हैं कि यह मंत्रिमंडल विस्तार से संबंधित है। मैंने उन्हें देखा है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं पार्टी से संबंधित बैठकों में आया हूं और अजित पवार भी कुछ जरूरी मुद्दों पर बैठक के लिए आए हैं। यह उनका काम है। इसलिए इन बातों पर ज्यादा अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है।

केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी को घर-घर तक पहुंचाएंगे: भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा ने नुक्कड़ सभाओं के जरिये वोटरों को पक्ष में करने की तैयारी की है। पार्टी ने पूरी दिल्ली में 3800 शक्ति केंद्रों पर नुक्कड़ सभाएं करने का ऐलान किया है। बुधवार को 256 मंडलों के प्रमुख शक्ति केंद्रों से इसकी शुरुआत हुई। इस मुहिम में भाजपा सांसद, विधायक व प्रदेश प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से दिल्ली की स्थानीय समस्याओं के साथ केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। बुराड़ी विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि न सिर्फ यहां जलभराव की समस्या है, बल्कि इस कारण छात्रों को दम तोड़ते हुए भी देखा है। इस बार बुराड़ी की जनता दिल्ली में डबल इंजन की सरकार लाने की तैयारी कर रही है। हौजखास मंडल में आयोजित सभा में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली सरकार की नाकामी का कड़वा सच हर गली और चौराहे पर दिख रहा है।

अब महिलाओं को हर महीने मिलेंगे एक हजार : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को साधने की कोशिश की है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि अगर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद तीसरी बार सत्ता में लौटती है तो राष्ट्रीय राजधानी में 18 वर्ष से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला के खाते में 2,100 रुपये जमा किए जाएंगे। हालाँकि, उन्होंने कहा कि कल से पंजीकरण शुरू होने के बावजूद, राशि तुरंत जमा नहीं की जाएगी क्योंकि महत्वपूर्ण चुनावों की तारीख अगले 10 से 15 दिनों में घोषित की जाएगी। मुख्यमंत्री आतिशी के साथ एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि मैंने पहले हर महिला को 1,000 रुपये देने का वादा किया था। लेकिन कुछ महिलाएं मेरे पास आईं और कहा कि महंगाई के कारण 1,000 रुपये पर्याप्त नहीं होंगे। इसलिए सभी महिलाओं के खाते में 2100 रुपये जमा किये जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज सुबह आतिशी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया।

एक देश-एक चुनाव बिल को कैबिनेट की मंजूरी

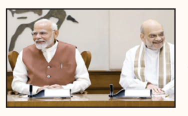

नईदिल्ली। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा और राज्य चुनाव एक साथ कराने की दिशा में कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को एक देश-एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक को संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। यह घटनाक्रम सरकार द्वारा उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के कुछ सप्ताह बाद आया है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने की थी। पैनल ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए चरणबद्ध तरीके से एक साथ चुनाव कराने का सुझाव दिया है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति एवं समिति के अध्यक्ष राम नाथ कोविंद ने कहा था कि केंद्र सरकार को आम सहमति बनानी होगी। यह मुद्दा किसी पार्टी के हित में नहीं बल्कि देश के हित में है। यह (वन नेशन वन इलेक्शन) गेम चेंजर होगा- यह मेरी नहीं बल्कि अर्थशास्त्रियों की राय है कि इसके लागू होने के बाद देश की जीडीपी 1-1.5% बढ़ जाएगी।

संसद में राहुल गांधी का व्यवहार कॉलेज के लड़कों जैसा : जेपी नड्डा

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर हमला बोला। नड्डा ने संसद में उपराष्ट्रपति की नकल करने के लिए सांसदों को उकसाने पर राहुल गांधी को कॉलेज का लकड़ा बताया। साथ ही उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के खरगे के कदम की निंदा की।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत में उपराष्ट्रपति का पद सांविधानिक है। संसद में उनकी नकल की जा रही है और राहुल गांधी इसका वीडियो बनाते हुए सांसदों को ऐसा करने के लिए उकसा रहे हैं। यह सब देखकर मुझे तो अपने कॉलेज के दिनों की याद आ गई। जब विपक्ष और सत्ताधारी दलों के छात्र ऐसा व्यवहार करते थे। राहुल गांधी ने भी कॉलेज के लकड़े की तरह व्यवहार किया। उनका नकल करना पूरी तरह से उनकी अपरिपक्वता को दर्शाता है। कांग्रेस और सोनिया गांधी ने इसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने कई बार लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। कांग्रेस मुद्दों को टालना और भटकाना चाहती है। इससे देश के लोग काफी परेशान हैं। जॉर्ज सोरोस नाम का व्यक्ति देश की स्थिरता को प्रभावित करना चाहता है। देश जानना चाहता है कि जॉर्ज सोरोस और सोनिया के गांधी के बीच क्या संबंध हैं? हम जनता के बीच जाएंगे और इस मुद्दे को उठाएंगे।

इसके बाद नड्डा ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर खरगे की आलोचना की। जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के सभापति पर आरोप लगाए।

मल्लिकार्जुन खरगे बहुत वरिष्ठ नेता हैं, उन्हें यह जानकारी होनी चाहिए कि सभापति का फैसला अंतिम और निर्विवाद होता है। इस तरह के आरोप लगाना निंदनीय है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

नड्डा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे को संसद में बोलने के लिए कई मौके दिए गए हैं, लेकिन उन्होंने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि वह नहीं बोलेंगे। उन्हें बोलने के लिए चैंबर में भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी का मकसद सदन में सहयोग नहीं करना है। कांग्रेस संसद के कामकाज में व्यवधान पैदा करना चाहती है। इंडिया गठबंधन ने 10 दिसंबर को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सौंपा था।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया गया: जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आज भी हमने देखा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरूरत थी? राज्यसभा में विपक्ष के नेता को संसद में बोलने नहीं दिया गया। यह विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। जब विपक्ष संसद में कोई मुद्दा उठाता है, तो राज्यसभा के सभापति कहते हैं कि कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा, लेकिन जब सत्ता पक्ष कोई मुद्दा उठाता है तो वह रिकॉर्ड पर चला जाता है। सत्ता पक्ष के सांसदों को संसद में बोलने का मौका दिया जाता है। हम इसकी निंदा करते हैं। वे अदाणी मुद्दे से ध्यान हटाना चाहते हैं... वे जॉर्ज सोरोस के बारे में निराधार टिप्पणी कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि संसद चले।

जॉर्ज सोरोस और सोनिया गांधी मामले में भाजपा का सवाल

कांग्रेस-सोरोस लिंक के आरोपों ने गुरुवार को संसद को हिलाकर रख दिया। भाजपा ने इस मुद्दे को राज्यसभा में उठाया, जिससे उच्च सदन में हंगामा पैदा हो गई। उच्च सदन में हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संसदीय परंपरा का सम्मान नहीं करते हैं। सदन के नेता और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मुद्दे को उठाया और कहा कि देश कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस के बीच रिश्ते को जानने का हकदार है, जिन पर नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए भारत विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप है।

वहीं, भाजपा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि उनकी मां व कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी भारतीय अर्थव्यवस्था को चौपट करने और देश को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस के भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ा रही हैं। जरा सोचिए, जॉर्ज सोरोस-सोनिया गांधी का ये रिश्ता क्या कहलाता है...?

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी से 10 सवाल पूछे, जिनमें उन्होंने पूछा कि कश्मीर को अलग देश मानने वाले संगठन के साथ राहुल गांधी के क्या संबंध हैं। सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस का क्या संबंध है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और जॉर्ज सोरोस का क्या संबंध है। सोरोस और गांधी परिवार का संबंध क्या है। राजीव गांधी फाउंडेशन को सबसे ज्यादा पैसा सोरोस ने दिया। राजीव गांधी फाउंडेशन के साथ सोरोस का रिश्ता क्या है। सोरोस ने कई फंड बनाए, वो सारे कांग्रेस के 300 लोगों को इन फंड से पैसा दिया है। भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस ने कितना पैसा खर्च किया और सोरोस फाउंडेशन ने उसमें कितना पैसा दिया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी गई।

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने अदाणी समूह से जुड़े मुद्दे पर बृहस्पतिवार को 'देश नहीं बिकने देंगे' लिखे बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कुछ अन्य दलों के सांसद संसद भवन के 'मकर द्वार' के निकट एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने 'वी वांट जेपीसी' के नारे लगाए। उन्होंने मकर द्वार से संसद भवन में प्रवेश करने वाले भाजपा और सहयोगी दलों के सांसदों को तिरंगा और गुलाब का फूल भेंट किया तथा कहा कि 'देश मत बिकने दें।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य वरिष्ठ नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विपक्षी सांसद प्रतिदिन अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को संसद में प्रदर्शन करते हुए सत्तापक्ष के सदस्यों को तिरंगा एवं गुलाब का फूल भेंट किया था। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति से आरोपों की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, सरकार के पास अदाणी, बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों का जवाब नहीं है...इसलिए वे जॉर्ज सोरोस का मुद्दा उठा रहे हैं...वे (भाजपा) शून्यकाल में बार-बार एक ही मुद्दे को उठा रहे हैं...भाजपा सांसदों को हर दिन संसद में बोलने की इजाजत है, वह भी एक ही मुद्दे पर...क्या संसद के कानून भाजपा पर लागू नहीं होते?

अदाणी मुद्दे पर संसद के अंदर तख्तियां लेकर पहुंचे विपक्षी नेता

अदाणी मुद्दे पर संसद भवन के अंदर विपक्ष का प्रदर्शन जारी है। विपक्षी दलों के नेता गुरुवार को तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें लिखा था- देश बिकने नहीं देंगे। इसके साथ ही उन्होंने अदाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति की मांग को दोहराने के लिए नारेबाजी भी की। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस, द्रमुक और लेफ्त पार्टियों के सांसदों ने संविधान सदन के सामने मकर द्वार के पास तख्तियां लेकर एकजुट हुए।

संसद भवन के अंदर एकत्रित विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने मोदी-अदाणी के बीच मिलीभगत के खिलाफ मारेबाजी की और मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की मांग की। बुधवार को संसद परिसर में कई विपक्षी सांसदों ने एक हाथ में तिरंगे वाला कार्ड और दूसरे हाथ में गुलाब के फूल के साथ अपने भाजपा के समकक्षों का स्वागत किया। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से अदाणी मुद्दा समेत कई अन्य मुद्दों पर सदन में चर्चा करने का आश्वासन देने की अपील की।

मंगलवार को विपक्षी सांसद संसद भवन में काले झोले (बैग) लेकर आए थे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी के कार्टून छपे थे और सामने की तरफ मोदी-अदाणी भाई-भाई लिखा था। इससे पहले सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अन्य सांसदों के साथ संसद के मकर द्वार के बाहर मोदी अदाणी एक है और हमें न्याय चाहिए के नारे भी लगाए। इस दौरान राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर एक नकली साक्षात्कार आयोजित किया था, जिसमें कांग्रेस सदस्य पीएम मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी के मुखौटे पहने हुए थे। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी (सपा) और आम आदमी पार्टी (आप) इस प्रदर्शन का हिस्सा नहीं थे।

खेल
प्रमुख समाचार

उम्मीद है कि गाबा में बुमराह के खिलाफ रन बनाउंगा: मैकस्वीनी

ब्रिस्बेन । शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पिछली चार पारियों में तीन बार नाथन मैकस्वीनी को आउट किया है ल ें कि न ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज को उम्मीद है कि वह शनिवार से यहां शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रन बना पाएंगे। 25 साल के मैकस्वीनी के अंतरराष्ट्रीय करियर की पर्थ में निराशाजनक शुरुआत हुई जब बुमराह ने पहले टेस्ट की पारियों पारियों में उन्हें आउट किया जिसमें उन्होंने 10 अैर शून्य रन बनाए।

मैकस्वीनी ने हालांकि एडिलेड में 39 और नाबाद 10 रन की पारी खेली जिससे मेजबान टीम ने गुलाबी गेंद के टेस्ट में 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर किया। 'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने मैकस्वीनी के हवाले से कहा, अपने करियर की शुरुआत में जसप्रीत जैसे गेंदबाज का सामना करना, इससे ज्यादा मुश्किल कुछ नहीं है। एडिलेड में एक स्पैल खेलकर मैं कुछ आत्मविश्वास हासिल कर रहा हूं। मैं जितना ज्यादा उनका सामना करूंगा, मैं उनके खिलाफ उतना ही सहज हो जाऊंगा।

बुमराह ने पर्थ टेस्ट में आठ विकेट लिए थे जबकि एडिलेड में चार विकेट चटकाए जिससे मौजूदा दौरे पर भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं। डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद सलामी बल्लेबाज की जगह खाली होने के बाद मैकस्वीनी को पदार्पण का मौका मिला। उन्होंने बुमराह को 'बेजोड़' गेंदबाज बताया। मैकस्वीनी ने कहा, पहली बार उनका सामना करना, वह काफी बेजोड़ गेंदबाज हैं। वह निश्चित रूप से विश्व स्तरीय हैं और मैंने जिन गेंदबाजों का सामना किया है उनमें से अधिकतर से थोड़े अलग हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 230 अंक से ज्यादा टूटा, निफ्टी 24,550 के नीचे

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 236.18 अंक या 0.29% गिरकर 81,289.96 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 81,680.97 के उच्च स्तर और 81,211.64 के निचले स्तर को छुआ। इसी तरह, एनएसई निफ्टी50 में भी गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी50 93.10 अंक या 0.38% टूटकर 24,548.70 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में निफ्टी ने 24,675.25 का उच्चतम और 24,527.95 का न्यूनतम स्तर देखा। ब्रॉडर मार्केट्स पर दबाव मझौले और छोटे शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 क्रमश: 0.46% और 0.9% की गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को लाल निशान पर बंद होने वाले टॉप 18 शेयरों में एनटीपीसी, एचयूएल, टाटा मोटर्स और मारुति शामिल रहे।

एलन मस्क की कुल संपत्ति 400 अरब डॉलर के पार

वॉशिंगटन। एलन मस्क की कुल संपत्ति 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई है। इसके साथ ही 400 अरब डॉलर की कुल संपत्ति का आंकड़ा पार करने वाले मस्क दुनिया के पहले अरबपति बन गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से मस्क की संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। मस्क के निजी स्वामित्व वाली कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों की हुई इनसाइडर बिक्री के चलते मस्क की संपत्ति में उछाल आया है और मस्क की संपत्ति 50 अरब डॉलर बढ़कर 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई है। मस्क की कंपनी टेस्ला इंक के शेयर भी बुधवार को सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए, जिससे मस्क की कुल संपत्ति 447 अरब डॉलर हो गई है। मस्क की संपत्ति में एक दिन में 62.8 अरब डॉलर की वृद्धि रिकॉर्ड की गई।

सेबी ने एचडीएफसी बैंक को जारी किया वार्निंग लेटर

नईदिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एचडीएफसी बैंक को नियमों के उल्लंघन के मामले में प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया है। यह पत्र 9 दिसंबर 2024 को जारी किया गया था और बैंक को 11 दिसंबर 2024 को प्राप्त हुआ। सेबी ने यह कार्रवाई बैंक की इन्वेस्टमेंट बैंकिंग गतिविधियों के दौरान की गई नियमित जांच के दौरान पाए गए उल्लंघनों के आधार पर की है। पत्र में सेबी (मर्चेंट बैंकर) रेगुलेशंस, 1992, सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेगुलेशंस, 2018 और सेबी (प्रोहिबिशन ऑफ इनसाइडर ट्रेडिंग) रेगुलेशंस, 2015 के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। बैंक ने कहा है कि वह पत्र में उल्लेखित चिंताओं और निर्देशों का समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। एचडीएफसी बैंक ने स्पष्ट किया है कि सेबी की प्रशासनिक चेतावनी का बैंक की वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत की इकनॉमिक ग्रोथ पटरी पर आ जाएगी : गोयल

नईदिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी पर आ जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल भी भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगी। गोयल ने कहा, पहली तिमाही में चुनाव हुए और चुनाव के दौरान जाहिर है कि नीति निर्माण तथा वृद्धि के अगले चरणों या बुनियादी ढांचे पर खर्च के फैसले धीमे हो जाते हैं और इसका ही प्रभाव देखने को मिला। गोयल ने 'इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' में कहा, '' लेकिन इस तिमाही और तीसरी तिमाही के शुरुआती आंकड़ों से, त्योहारी खर्च, ग्रामीण वृद्धि में वापसी, बैंकों में फिर से सुधार, बुनियादी ढांचे पर खर्च में तेजी, मुझे लगता है कि मार्च में साल के अंत तक हम फिर से पटरी पर आ जाएंगे।''

ब्याज दरों में अब कमी होनी ही चाहिए

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बहुत कम रही है। इस द्वितीय तिमाही में विभिन्न कम्पनियों के वित्तीय परिणाम भी बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं। इनकी लाभप्रदता में आच्छानुरूप वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। कम्पनियों के वित्तीय परिणाम उत्साहजनक नहीं रहने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से सितम्बर, अक्टोबर एवं नवम्बर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली है। जिससे भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी सूचकांक में 3000 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज हुई है, निफ्टी सूचकांक अपने उच्चत्तम स्तर 26,400 से गिरकर 23,200 अंकों तक नीचे आ गया था। हालांकि अब यह पुन: बढ़कर 24,700 अंकों पर आ गया है और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक बार पुन: भारतीय शेयर बाजार पर अपना भरोसा जताते हुए अपने निवेश में वृद्धि करना शुरू कर दिया है।

अब देश में कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में विधान सभा चुनावों एवं लोक सभा चुनाव के सम्पन्न होने के बाद केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में वृद्धि की जाएगी। साथ ही, भारत में त्यौहारी मौसम एवं शादियों के मौसम में भारतीय नागरिकों के खर्चों में अपार वृद्धि होने की सम्भावना है। त्यौहारी एवं शादियों का मौसम भी नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 माह में प्रारम्भ हो चुका है। एक अनुमान के अनुसार नवम्बर माह में मनाए गए दीपावली एवं अन्य त्यौहारों पर भारतीय नागरिकों ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का व्यय किया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के जनवरी 2025 माह (13 जनवरी) में प्रयागराज में कुंभ मेला भी प्रारम्भ होने जा रहा है जो फरवरी 2025 माह (26 फरवरी) तक चलेगा। यह कुम्भ मेला प्रत्येक 12 वर्षों में एक बार प्रयागराज में लगता है। एक अनुमान के अनुसार इस कुम्भ मेले में प्रतिदिन एक करोड़ नागरिक पहुंच सकते हैं। इससे देश में धार्मिक पर्यटन में भी अपार वृद्धि होगी। उक्त सभी कारणों के चलते, भारत में उपभोक्ता खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज होगी जो अंतत: सकल घरेलू उत्पाद में पर्याप्त वृद्धि को दर्ज करने के सहायक होगी। साथ ही, अक्टोबर 2024 माह में भारत से विविध उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात में भी बहुत अच्छी वृद्धि दर दर्ज हुई है। इससे अंतत: भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 7 प्रतिशत से ऊपर बने रहने की प्रबल सम्भावना बनती नजर आ रही है।

साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकदी रिजर्व अनुपात में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है। इससे 1.16 लाख करोड़ रुपए की राशि भारतीय रिजर्व बैंक से बैकों को प्राप्त होगी एवं इस राशि से बैंकिंग क्षेत्र में तरलता में सुधार होगा एवं बैंकों की कर्ज देने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। अधिक ऋणराशि की उपलब्धता से व्यापार एवं उद्योग की गतिविधियों को बल मिलेगा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करने में सहायक होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने से बाजार में रुपए की कीमत लगातार गिर रही है और रुपए की कीमतों को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में डॉलर की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ रहा है। जिससे, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के उच्चत्तम स्तर से नीचे गिरकर 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निचले स्तर पर आ गए हैं। साथ ही, रुपए की कीमत गिरकर 84.63 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर आ गई है। अत: यदि देश में व्यापारिक गतिविधियों में सुधार होता है एवं सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर्ज होती है तो विदेशी निवेश भी भारत में पुन: वृद्धि दर्ज करेगा एवं विदेशी मुद्रा भंडार भी अपने पुराने उच्चत्तम स्तर को प्राप्त कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारत में अब ब्याज दरों में कमी करने का समय आ गया है।

संवाद- 42399/122

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.